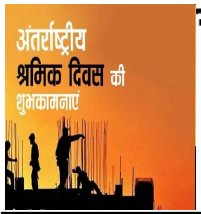

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 277 बुधवार 1 मई 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

अन्तर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस पर सृजन में जुटे श्रमिकों को हार्दिक शुभकामना– सम्पादक

बस्ती में नामांकन 6 मई तक

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। लोकसभा चुनाव के लिए नामांकन छह मई तक चलेगा। पुलिस प्रशासन ने नामांकन को देखते हुए कलेक्ट्रेट की तरफ आने वाले विभिन्न रास्तों पर सुबह नौ बजे से शाम पांच बजे तक वाहनों को डायवर्ट किया जाएगा। डायवर्जन छह मई तक प्रभावी रहेगा। पुलिस कार्यालय के अनुसार अमहट से होकर आने वाले वाहन जिनको कंपनीबाग, गांधीनगर, रोडवेज फौव्वारा तिराहा जाने होगा, उन्हें रामचंद्र शुक्ल तिराहे से डीएम आवास होते हुए चेतक तिराहा से आगे भेजा जाएगा। गांधीनगर से आने वाले वाहन जिनको अमहट होते हुए फुटहिया जाना होगा, उन्हें कंपनी बाग चेतक तिराहा से डीएम आवास रामचंद्र शुक्ल तिराहा होते हुए आगे भेजा जाएगा।इसी तरह बड़बन से आने वाले वाहनों को फौव्वारा तिराहा रौता मालवीय तिराहा होते हुए शहर में प्रवेश मिलेगा। शास्त्री चौक से कलेक्ट्रेट की तरफ सभी प्रकार के वाहन पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेंगे।

हज यात्रियों का टीकाकरण 4 को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जनपद से जाने वाले हज यात्रियों को जिला स्तर पर जामा मस्जिद एवं मदरसा जामिया हनफिया, रहमतगंज गॉधीनगर में मैनिगोकोकल मेनिनजाइटिस का टीकाकरण एवं ओरल पोलियो ड्राप आगामी 4 मई को प्रातः 10 बजे से निर्धारित है। उक्त जानकारी देते हुए मुख्य चिकित्साधिकारी आर.एस. दुबे ने संबंधित अधिकारियों/कर्मचारियों को निर्देशित किया है कि इस दिन प्रातः 9 बजे नियत टीकाकरण स्थल पर पहुॅचकर कार्य का सम्पादन करना सुनिश्चित करें।

श्रमिकों को लू, गर्मी से बचाने के लिये निर्देश जारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जनपद क्षेत्रान्तर्गत अधीनस्थ दुकान एवं वाणिज्य अधिष्ठान, ईट–भट्ठा उद्योग तथा कारखानों इत्यादि में कार्यरत श्रमिको को हीट वेव की आशंका के दृष्टिगत बचाव हेतु एडवाइजरी के अनुपालन कराये जाने हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया है। उक्त निर्देश देते हुए जिलाधिकारी अंद्रा वामसी ने बताया है कि औद्योगिक एवं अन्य श्रमिको के लिए गर्मी संबंधी बीमारियों हेतु जागरूकता कैम्प का आयोजन एवं कार्यरत श्रमिको को गर्मी से बचाव किये जाने के उपयो से भी जागरूक किया जाय।

उन्होने बताया कि बाह्य कार्यो हेतु कार्य घण्टो में परिवर्तन किये जाने हेतु श्रमिको से विचार–विमर्श कर योजना बनाई जाय। उन्होने कहा कि स्वास्थ्य विभाग से समन्वय स्थापित करते हुए कार्यरत/नियोजित श्रमिको का गर्मी की स्थिति को देखते हुए नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाना सुनिश्चित करें। कार्यस्थलों/दुकानों/वाणिज्य प्रतिष्ठानों में पीने के पानी की समुचित व्यवस्था तथा निर्माण कामगारों के संबंध में अन्य अनिवार्य मानको का पालन सुनिश्चित किया जाय।

उप श्रम आयुक्त बी.एम. शर्मा ने क्षेत्रान्तर्गत अधीनस्थ दुकान एवं वाणिज्य अधिष्ठान, ईट–भट्ठा उद्योग तथा कारखानों इत्यादि से अपील किया है कि उपरोक्त बिन्दुओं के दृष्टिगत उचित व्यवस्था करना सुनिश्चित करें, जिससे हीट वेव के दौरान नियोजित श्रमिको को किसी भी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़ें।

ब्रिटिश कंपनी ने कोर्ट में माना एस्ट्राजेनेका की कोरोना वैक्सीन से हार्ट अटैक का खतरा

नई दिल्ली (आभा)। ब्रिटेन की फार्मा कंपनी एस्ट्राजेनेका ने माना है कि उनकी कोविड–19 वैक्सीन से खतरनाक साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं। हालांकि ऐसा बहुत रेयर (दुर्लभ) मामलों में ही होगा। एस्ट्राजेनेका का जो फॉर्मूला था उसी से भारत में सीरम इंस्टीट्यूट ने कोवीशील्ड नाम से वैक्सीन बनाई है।

ब्रिटिश मीडिया टेलीग्राफ की रिपोर्ट के मुताबिक, एस्ट्राजेनेका पर आरोप है कि उनकी वैक्सीन से कई लोगों की मौत हो गई। वहीं कई अन्य को गंभीर बीमारियों का सामना करना पड़ा। कंपनी के खिलाफ हाईकोर्ट में 51 केस चल रहे हैं। पीड़ितों ने एस्ट्राजेनेका से करीब 1 हजार करोड़ का हर्जाना मांगा है।

ब्रिटिश हाईकोर्ट में जमा किए गए दस्तावेजों में कंपनी ने माना है कि उसकी कोरोना वैक्सीन से कुछ मामलों में थ्रॉम्बोसिस थ्रॉम्बोसाइटोपेनिया सिंड्रोम यानी टीटीएस हो सकता है। इस बीमारी से शरीर में खून के थक्के जम जाते हैं और प्लेटलेट्स की संख्या गिर जाती है।

अप्रैल 2021 में जेमी स्कॉट नाम के शख्स ने यह वैक्सीन लगवाई थी। इसके बाद उनकी हालत खराब हो गई। शरीर में खून के थक्के बनने का सीधा असर उनके दिमाग पर पड़ा। इसके अलावा स्कॉट के ब्रेन में इंटर्नल ब्लीडिंग भी हुई। रिपोर्ट के मुताबिक, डॉक्टरों ने उनकी पत्नी से कहा था कि वो स्कॉट को नहीं बचा पाएंगे।

पिछले साल स्कॉट ने एस्ट्राजेनेका के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। मई 2023 में स्कॉट के आरोपों के जवाब में कंपनी ने दावा किया था कि उनकी वैक्सीन से टीटीएस नहीं हो सकता है। हालांकि इस साल फरवरी में हाईकोर्ट में जमा किए दस्तावेजों में कंपनी इस दावे से पलट गई। इन दस्तावेजों की जानकारी अब सामने आई है।

हालांकि अवैक्सीन में किस चीज की वजह से यह बीमारी होती है, इसकी जानकारी फिलहाल कंपनी के पास नहीं है। इन दस्तावेजों के सामने आने के बाद स्कॉट के वकील ने कोर्ट में दावा किया है कि एस्ट्राजेनेका–ऑक्सफोर्ड की वैक्सीन में खामियां हैं और इसके असर को लेकर गलत जानकारी दी गई।

वैज्ञानिकों ने सबसे पहले मार्च 2021 में एक नई बीमारी वैक्सीन–इंड्यूस्ड (वैक्सीन से होने वाली) इम्यून थ्रॉम्बोसिस थ्रॉम्बोसाइटोपेनिया सिंड्रोम की पहचान की थी। पीड़ितों से जुड़े वकील ने दावा किया है कि वीआईटीटी VITT असल में टीटीएस का ही एक सबसेट है। हालांकि एस्ट्राजेनेका ने इसे खारिज कर दिया।

एस्ट्राजेनेका ने कहा, उन लोगों के प्रति हमारी संवेदनाएं हैं, जिन्होंने अपनों को खोया है या जिन्हें गंभीर बीमारियों का सामना करना पड़ा। मरीजों की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। हमारी रेगुलेटरी अथॉरिटी सभी दवाइयों और वैक्सीन के सुरक्षित इस्तेमाल के लिए सभी मानकों का पालन करती है।

कंपनी ने आगे कहा, 'क्लिनिकल ट्रायल और अलग–अलग देशों के डेटा से यह साबित हुआ है कि हमारी वैक्सीन सुरक्षा से जुड़े मानकों को पूरा करती है। दुनियाभर के रेगुलेटर्स ने भी माना है कि वैक्सीन से होने वाले फायदे इसके दुर्लभ साइड इफेक्ट्स से कहीं ज्यादा हैं।'

खास बात यह है कि इस वैक्सीन का इस्तेमाल अब ब्रिटेन में नहीं हो रहा है। टेलीग्राफ की रिपोर्ट के मुताबिक, बाजार में आने के कुछ महीनों बाद वैज्ञानिकों ने इस वैक्सीन के खतरे को भांप लिया था। इसके बाद यह सुझाव दिया गया था कि 40 साल से कम उम्र के लोगों को दूसरी किसी वैक्सीन का भी डोज दिया जाए। ऐसा इसलिए क्यों कि एस्ट्राजेनेका की वैक्सीन से होने वाले नुकसान कोरोना के खतरे से ज्यादा थे। मेडिसिन हेल्थकेयर प्रोडक्ट्स रेगुलेटरी के मुताबिक ब्रिटेन में 81 मामले ऐसे हैं, जिनमें इस बात की आशंका है कि वैक्सीन की वजह से खून के थक्के जमने से लोगों की मौत हो गई। साइड इफेक्ट से जूझने वाले हर 5 में से एक व्यक्ति की मौत हुई है।

— भारत में इसी फॉर्मूले से बनी कोवीशील्ड के 175 करोड़ डोज लगे

ढाबे से मजदूर लापता

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मुण्डेरवा थाना क्षेत्र के दसौता निवासी अभिषेक कुमार चौधरी पुत्र राजमणि चौधरी ने मुण्डेरवा थानाध्यक्ष को लिखित तहरीर देकर कहा है कि वे ढाबे पर काम के लिये महराजगंज जनपद के बृजमनगंज थाना क्षेत्र अर्न्तगत नौसागर निवासी मुनिराम को लेकर आये थे, उसने कुछ दिन ढाबे पर काम किया और बाद में 13 अप्रैल 2024 को दसौता निवासी भानु प्रताप पटेल के साथ चला गया। मुनिराम अब कहा है उसकी कोई खोज खबर नहीं है।

अभिषेक कुमार चौधरी ने तहरीर में कहा है कि मुनिराम के परिजन अब उससे पूंछताछ कर रहे हैं और भानु प्रताप पटेल कोई जानकारी भी नहीं दे रहे हैं। यदि भानु प्रताप से कड़ाई से पूंछताछ किया जाय तो मुनिराम के बारे में जानकारी मिल जायेगी। अभिषेक कुमार ने इस मामले में मुण्डेरवा थानाध्यक्ष से उचित कार्रवाई करने और मुनिराम के बरामदगी की मांग किया है।

जानलेवा हो गया है सब्जी मण्डी से स्टेशन रोड मार्ग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती, शहर का प्रमुख मार्ग स्टेशन रोड बदहाल है। सब्जी मंडी से स्टेशन तक सड़क जानलेवा हो गई है। यहां नाला निर्माण के कारण घरों से निकलने वाला पानी सड़क पर जमा है। इससे वाहनों के आवागमन से सड़क पर बड़े–बड़े गड्ढे बन गए हैं। हाल यह है कि ई–रिक्शा पलट रहे। सोमवार को 12 से अधिक ई–रिक्शा पलट गए, जिसमें कई यात्री घायल हो गए।

स्टेशन रोड निवासी साकेत परिवार के साथ ई–रिक्शा में बैठकर गांधीनगर बाजार आ रहे थे। स्टेशन से सब्जी मंडी के बीच ई–रिक्शा पलट गया। जिसमें सवार बच्चे समेत महिलाएं व पुरुष घायल हो गए। यात्री साकेत का हाथ टूट गया। राहगीरों की मदद से आटो में फंसे बच्चे और यात्रियों को निकाला गया। ई–रिक्शा में रखा सामान भी पानी में भींगकर खराब हो गया। फिर ई–रिक्शा को सीधा किया गया। इसी प्रकार कई और ई–रिक्शा पलट गए। जिसमें यात्री चोटिल हुए। बताया जा रहा है कि जलनिकासी के लिए सड़क किनारे नाला निर्माण के लिए खुदाई की गई है। घरों से निकलने वाला पानी अब सड़क पर आकर जमा हो जा रहा है। जलभराव होने के कारण सड़क में बड़े–बड़े गड्ढे बन गए हैं, जिसमें छोटे वाहन आकर फंस जा रहे। ई–रिक्शा इसमें अधिक पलट रहा है।

ईओ नगर पालिका सत्येंद्र सिंह ने बताया कि सड़क पर जो गड्ढे बने हैं उसको दिखवाया जाएगा। सड़क पर जलभराव की समस्या खत्म कराने का प्रयास होगा। संबंधित निर्माण एजेंसी को चेतावनी दी जाएगी कि सड़क पर पानी का बहाव रोकें।

लोकसभा चुनाव में जांच के दौरान नागरिकों से मधुर व्यवहार करें अधिकारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 को स्वतंत्र एवं निष्पक्ष ढंग से संपन्न करने के लिए स्टेटिक सर्विलांस टीम (एसएसटी) तथा फ्लाइंग स्क्वायड टीम (एफएसटी) के महत्वपूर्ण भूमिका है। उनके अधिकारियों को निर्देशित किया जाता है कि जांच के दौरान सामान्य जन से मधुर व्यवहार करें तथा उन्हें अनावश्यक परेशान ना करें। उक्त निर्देश भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 61–लोकसभा बस्ती के लिए नियुक्त व्यय प्रेक्षक आर.एल. अरुण प्रसाद ने दिए हैं। ऑडिटोरियम में आयोजित प्रशिक्षण में एफएसटी और एसएसटी टीम के मजिस्ट्रेट एवं पुलिस अधिकारियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि विशेष रूप से पर्यटकों व्यापारियों एवं अन्य सभी के साथ जांच में विनम्रता बरतें।

उन्होने कहा कि 29 अप्रैल से लोकसभा बस्ती के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गयी है। एसएसटी तथा एफएसटी की सभी टीमें अपने तैनाती स्थल पर तैनात रहकर अपने दायित्वों का निर्वहन करें। उन्होने कहा कि 10 लाख रूपये से अधिक नकद या ज्वेलरी पाये जाने पर विभागीय नोडल अधिकारी को सूचित करें।

जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी अन्द्रा वामसी ने निर्देश दिया है कि सी–विजिल ऐप तथा ई–एसएमएस पोर्टल सभी मजिस्ट्रेट अपने मोबाइल में डाउनलोड करें। सभी टीमों के मजिस्ट्रेट अपने सहायक निर्वाचन अधिकारी/उप जिला मजिस्ट्रेट से अवश्य मिल लें तथा उनके साथ बैठक कर लें। उन्होने एनकजर बी–8, बी–9, बी–10 के संबंध में विस्तार से जानकारी दिया।

उन्होने निर्देश दिया है कि टीम का कोई भी सदस्य मजिस्ट्रेट के अनुमति के बिना अनुपस्थित नही होगा। कंट्रोल रूम से भेजी जाने वाली शिकायत पर तत्काल कार्यवाही सुनिश्चित करें। निर्वाचन आयोग के निर्देश दिये है कि पर्यटक/तीर्थयात्री के पास अधिक धनराशि प्राप्त होने पर उसका आवागमन बाधित ना किया जाय। इसी प्रकार बैंक द्वारा धनराशि का ट्रान्जक्शन क्यूआर कोड के द्वारा सत्यापन करें। उन्होने कहा कि प्रत्येक जब्त की गयी धनराशि या सामान की पावती अवश्य दी जायेगी।

पुलिस अधीक्षक गोपाल कृष्ण चौधरी ने कहा कि एसएसटी तथा एफएसटी टीम की जीपीएस से मानीटरिंग की जा रही है। टीम में तैनात कोई पुलिस अधिकारी मजिस्ट्रेट के अनुमति के बिना अनुपस्थित नही होंगे। अनुपस्थित पाये जाने पर उनके विरुद्ध कार्यवाही की जायेगी। निरीक्षण के दौरान वीडियोग्राफी भी की जायेगी, यदि महिला यात्री की जॉच की जानी है, तो उसके लिए नजदीकी थाने से महिला पुलिसकर्मी को बुलाया जाय।

मुख्य कोषाधिकारी अशोक प्रजापति ने बताया कि राजनैतिक दल के किसी व्यक्ति के पास 1 लाख से अधिक की धनराशि प्राप्त होने पर केवल पार्टी कोषाध्यक्ष का प्रमाण पत्र मान्य होंगा अन्यथा की अवस्था में सीजर की कार्यवाही की जायेगी। साक्ष्य के अभाव में 50 हजार रूपये से अधिक की धनराशि सीज की जा सकती है। इस प्रकार की सभी धनराशि कोषागार के डबल लाक में रखी जायेगी। सीज करते समय संबंधित व्यक्ति को इसको अवमुक्त कराने की कार्यवाही के बारे में भी जानकारी मौके पर दी जायेगी। उन्होने बताया कि जनपद में कुल 16 चेकपोस्ट पर 48 एसएसटी तथा 45 एफएसटी टीमें तैनात की गयी है।

प्रशिक्षण के दौरान एडीएम/उप जिला निर्वाचन अधिकारी कमलेश चन्द्र, एएसपी ओ0पी0 सिंह, सभी उप जिला मजिस्ट्रेट/सहायक निर्वाचन अधिकारी, पुलिस क्षेत्राधिकारी तथा एफएसटी एवं एसएसटी टीम के मजिस्ट्रेट एंव पुलिस अधिकारी उपस्थित रहें।

पीएम मोदी पर शरद पवार का पलटवार:मेरी उंगली पकड़कर राजनीति में आए, और मुझे ही!

मुम्बई (आभा)। महाराष्ट्र में महा विकास अघाड़ी के वरिष्ठ नेता और एनसीपी संस्थापक शरद पवार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस कटाक्ष पर पलटवार किया है, जिसमें एक दिन पहले प्रधानमंत्री ने उन्हें भटकती आत्मा करार दिया था। मंगलवार को पीएम पर पलटवार करते हुए मराठा छत्रप ने कहा कि हां मैं भटकती आत्मा हूं। उन्होंने कहा कि उनकी आत्मा किसानों और आम आदमी की दुर्दशा को उजागर करने के लिए भटक रही है। उन्होंने कहा कि वह इसके लिए 100 बार भी बेचैन होने और भटकने को तैयार हैं।

पीएम मोदी ने सोमवार को महाराष्ट्र की एक चुनावी रैली में शरद पवार का नाम लिए बिना उन पर निशाना साधते हुए कहा था, 'महाराष्ट्र में एक 'भटकती आत्मा' है। अगर यह सफल नहीं होती है तो दूसरों के अच्छे काम को खराब कर देती है। महाराष्ट्र इसका शिकार रहा है।' इसके अगले ही दिन यानी मंगलवार को पवार ने प्रधानमंत्री पर पलटवार किया और कहा कि मोदी पहले कहा करते थे कि वह हमारी उंगली पकड़कर राजनीति में आए हैं लेकिन आजकल वह मुझे भटकती आत्मा कह रहे हैं।

भाजपा प्रत्याशी सांसद हरीश द्विवेदी का नामांकन 1 को, शामिल होंगे केन्द्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर के साथ वरिष्ठ नेता

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी प्रत्याशी एवं वर्तमान सांसद हरीश द्विवेदी 1 मई बुधवार को अपना नामांकन करेंगे। मालवीय रोड स्थित चुनाव कार्यालय पर पत्रकारों से बातचीत में हरीश द्विवेदी ने कहा कि विकास के जो कार्य अधूरे रह गये हैं उसका तीसरे चरण में प्रभावी कियान्वयन कराया जायेगा।

नामांकन को लेकर भाजपा कार्यालय पर डंडा झन्डा सहित अन्य प्रचार सामग्री की व्यवस्थाओं में भाजपा कार्यकर्ता लगे हुए है। सांसद हरीश द्विवेदी भी अपना नामांकन ऐतिहासिक बनाने के लिए लगातार कार्यकर्ता और जनता जनार्दन के बीच बैठके कर सभी का आवाहन कर रहे है। नामांकन में कई बड़े चेहरे जिसमे केन्द्रीय मन्त्री अनुराग ठाकुर, सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम् प्रकाश राजभर, निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय निषाद, उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री दारा सिंह चौहान, कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल सहित अन्य प्रदेशो से भाजपा के बड़े नेता सम्मलित होंगे।

सांसद हरीश द्विवेदी ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि पूरे लोकसभा क्षेत्र के हर बूथ से कार्यकर्ता इस नामांकन में सम्मलित होने आ रहे है। अबकी बार मोदी जी के मिशन 400 पार में बस्ती तीसरी बार कमल खिलेगा । हम कार्यो के आधार पर मतदाताओ से वोट की अपील कर रहे है। कहा कि बस्ती की जनता का फिर से उन्हें आशीर्वाद मिलेगा और मोदी जी तीसरी बार देश के प्रधानमन्त्री बनने जा रहे है।

रोटरी क्लब बस्ती ग्रेटर ने कान्हा गौशाला में सेवा कर दान किया सामग्रीः समीक्षा में सेवा कार्यो को गति देने पर जोर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रोटरी क्लब बस्ती ग्रेटर के अधिकारिक दौरे पर आए रोटरी मण्डलाध्यक्ष रोटेरियन सुनील बंसल ने पत्नी मनीषा बंसल सहित नगर पालिका परिषद के कान्हा गौशाला में गौसेवा हेतु भूसा, चारा, भेली आदि प्रदान किया।

इसी क्रम में रोटरी मण्डलाध्यक्ष सुनील बंसल ने एक होटल में क्लब के कार्यो की समीक्षा कर बस्ती ग्रेटर के योगदान की सराहना करने के साथ ही रोटरी के बारे में विस्तार से चर्चा की। क्लब अध्यक्ष प्रतिभा गोयल, सचिव किशन गोयल ने कार्यो की जानकारी दी। पूर्व अध्यक्ष डा. वी के वर्मा ने गौसेवा हिस्सा लेने के साथ ही समीक्षा बताया कि निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर के साथ ही क्लब द्वारा जनसेवा के अनेक कार्य निरन्तर किये जा रहे हैं।

कार्यक्रम में रोटेरियन अशोक कुमार शुक्ल, राम दयाल चौधरी, श्याम नरायण्, डा. आलोक रंजन, राजेश्वरी देवी, कमला देवी, इन्टरेक्ट क्लब बस्ती ग्रेटर के अध्यक्ष , सुमिर गोयल, सचिन आहूजा, युवराज, हर्षित श्रीवास्तव, शौर्य गोयल आदि ने हिस्सा लिया।

संतकबीरनगर में रेकार्ड मतों से जीत दर्ज करेगी भाजपा– जय चौबे

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। आगामी 25 मई को बस्ती मण्डल के बस्ती, सिद्धार्थनगर और संतकबीर नगरी में मतदान होगा। नामांकन प्रक्रिया के बीच ही राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई है। संतकबीर नगर में पूर्व विधायक दिग्विजय नारायण उर्फ जय चौबे के भाजपा में शामिल होने के बाद सवालों से जूझ रही भाजपा को ताकत मिल गई है। स्थान–स्थान पर जय चौबे के स्वागत का सिलसिला लगातार जारी है।

इसी कड़ी में मंगलवार को सूर्या सीनियर सेकेंडरी स्कूल खलीलाबाद में पूर्व विधायक जय चौबे और जिला पंचायत अध्यक्ष बलिराम यादव, पूर्व ब्लाक प्रमुख एवं राजन इण्टर नेशलन एकेडमी के निदेशक राकेश चतुर्वेदी का फूल मालाओं के साथ स्वागत किया गया ।

पूर्व विधायक दिग्विजय नारायण उर्फ जय चौबे ने स्वागत कार्यक्रम में कहा कि वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भाजपा के जन कल्याणकारी नीतियों से प्रभावित होकर पार्टी में शामिल हुये हैं। लोकसभा में भाजपा प्रत्याशी के रेकार्ड मतों से जीत के लिये वे पूरी ताकत झोंक देंगे।

स्वागत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय निषाद, सांसद प्रवीण निषाद ने जय चौबे का स्वागत किया। कार्यक्रम में सम्मान पाकर कैबिनेट मंत्री संजय निषाद और सांसद प्रवीण निषाद ने सूर्या ग्रुप का आभार व्यक्त किया ।

बता दे की सपा से बागी हुए पूर्व विधायक जय चौबे अपने पुराने घर वापस हो गए जिसके बाद उनके समर्थकों में खुशी की लहर है । लोग अपने नेता की भाजपा में आने के बाद स्वागत कर रहे है ।

इस दौरान डॉक्टर उदय और पूर्व ब्लॉक प्रमुख राकेश चतुर्वेदी ने अंग वस्त्र भेट करते हुए विशिष्ट जनों को सम्मानित किया । सम्मान समारोह के दौरान मंत्री संजय निषाद ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में भाजपा नेता संजीव राय ,दयाराम कनौजिया, प्रधान केसी पाण्डेय, धीरज पाण्डेय, ,दानिश खान, रितेश सिंह, गोलू वर्मा, सौरभ सिंह, निहाल पाण्डेय, आलोक उपाध्याय, रत्नेश, कृष्णकांत, सभासद मुन्ना पाण्डेय,मतीन खान,अंकित पाल, अंशुमान सिंह के साथ ही भाजपा के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता, क्षेत्रीय नागरिक और सूर्या ग्रुप से जुड़े लोग उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 1 मई 2024 बुधवार

सम्पादकीय

मजदूरों की दशा दिशा

एक दौर था जब मानव प्रकृति का था और प्रकृति मानव की। न कोई शोषक न कोई शोषित। कालचक्र के साथ परिस्थितियों में बदलाव आना शुरू हुआ। मनुष्य जहाँ प्रकृति के वश में था अब वह प्रकृति के साथ संघर्ष में उतारू हो गया। निजी संपत्ति का मालिक बनने, पूंजी व उत्पाद को जमा करना उसकी नियति बनती गई। निजी संपत्ति ने मजदूर वर्ग को जन्म दिया और यहीं से शुरू हुआ शोषण का अंतहीन दौर। इसी शोषण प्रक्रिया ने दास प्रथा को जन्म दिया। कमजोर वर्ग बलशाली शासक के अत्याचारों का न सिर्फ निशाना बना बल्कि पीढ़ी–दर–पीढ़ी गुलामी करने के लिए भी उसे लाचार बना दिया गया।

19 वी सदी में कल कारखानों के आविष्कार और उत्पादन प्रक्रिया को बल मिला। मालिकों द्वारा कारखानों में मजदूरों से 16 से 18 घंटे काम करवाया जाता था और बदले में मजदूरों के श्रम का नाम मात्र पारिश्रमिक दिया जाता था ताकि वे जिंदा रह सके। शोषण की इस चक्की में दिन–रात मजदूर पिसने लगा और एक दिन मालिकों के इन अत्याचारों व शोषण के खिलाफ पहली बार अमेरिका के शिकागो शहर में मजदूर संघ का निर्माण हुआ। जिसके अंतर्गत मजदूरों द्वारा काम के 8 घंटे तय करने का अल्टीमेटम कारखाना मालिक को दिया गया।

मांगे नहीं मानने की एवज में मजदूरों ने, शिकागो के हे मार्केट चौक में एक बड़ी सभा का आयोजन किया, जहाँ मालिक के इशारे पर पुलिस द्वारा, शान्तिपूर्ण सभा पर, गोलियाँ बरसाई गई और इस आंदोलन में 6 मजदूरों को अपनी शहादत देनी पड़ी। 1 मई 1886 को मजदूरों ने अपने हक की लड़ाई शुरू की थी। एक माँ की गोदी में दुधमुहे मासूम की मौत हो गई। माँ ने खून से सनी अपने बेटे की कमीज को बड़े से बाँस में बाँध कर लाल झंडे के रूप में ऊँचा करके मजदूरों का आह्वान किया ।

स्वाभाविक है कि इस आंदोलन की चिंगारी दुनिया के दूसरे देशों में भी फैल गई और पेरिस के मजदूरों ने शिकागो शहर में शहीद हुए मजदूरों को श्रद्धांजलि दी। 1989 में पेरिस में मजदूरों की बैठक में निर्णय लिया गया कि 1 मई का दिन अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस के रूप में मनाया जाएगा। दुनिया के हर देशों में मजदूरों ने अपनी एकता के बल पर शोषक निजाम के खिलाफ जबरदस्त आंदोलन शुरू कर दिए। श्रम का वाजिब दाम और काम के ८ घंटे निश्चित करने की मांग ने पूरे विश्व को हिला दिया। "दुनिया के मजदूरों एक हो" नारे का जन्म 1 मई 1886 का शिकागो आंदोलन ही है।

इसी संदर्भ में भारत में पहली बार 1 मई 1923 को मद्रास में मजदूरों द्वारा मई दिवस मनाया गया। इस आंदोलन की शुरुआत "लेबर किसान पार्टी ऑफ हिंदुस्तान" ने की। वर्तमान में भी पूरी दुनिया के पैमाने पर मजदूर, सभाओं के माध्यम से अपनी समस्याओं पर विचार विमर्श करते हैं, जुलूस निकालते हैं। अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक संगठन द्वारा भव्य आयोजन किए जाते हैं।

मजदूरों की एकता और संघर्ष के बल पर किए गए आंदोलनो ने सरकारों को झुकाने में कामयाबी हासिल की है। कानूनों में यह मान्यता दी गई कि प्रत्येक मजदूर को बिना किसी भेदभाव के अपनी योग्यता व क्षमता के अनुसार अपनी श्रम शक्ति का उपयोग करने का पूर्ण अधिकार है। मजदूर , श्रमिक को जाति, लिंग, नस्ल के आधार पर कार्य का चुनाव करने की पूर्ण आजादी है। श्रमिक को बंधुआ या गुलाम बनाकर काम करने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता है।

दो वर्ग जिनमें एक पूंजीपति वर्ग है जिसका मकसद ज्यादा से ज्यादा श्रम का शोषण कर अपनी पूंजी का इजाफा करना है, वहीं दूसरी ओर मजदूर वर्ग जो मेहनत करने के बाद भी अभाव की जिन्दगी जीने पर मजबूर है। अमीरी गरीबी की खाई लगातार गहरी होती जा रही है और आज भी मजदूर अपने हकों के लिए लगातार संघर्ष में हैं। खेतों और कारखानों में काम के दौरान जिन मजदूरों की मौत हो जाती है, उन्हें उचित मुआवजा भी नहीं दिया जाता है।

किसी भी देश की तरक्की उस देश के मजदूरों, किसानों, कारीगरों पर निर्भर होती है. वर्तमान में भारत के मजदूरों की दशा में कोई खास अंतर नहीं आया है। शोषण की प्रक्रिया जारी है। उदारीकरण की नीतियों ने मजदूरों के शोषण को और तेज कर दिया है। नई तकनीक ने बेरोजगारों की भीड़ खड़ी कर दी है। बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा मजदूरों के श्रम का शोषण किया जा रहा है। पढ़े–लिखे छात्र डिग्री या डिप्लोमा लेकर इन बहुराष्ट्रीय कंपनियों में 10 से 12 घंटे काम करने पर मजबूर हो रहे हैं।लड़ाई लंबी है पर लड़ना तो होगा ही। मालिक और मजदूर के अंतर को पाटना होगा। तभी देश समृद्ध और खुशहाल हो सकता है। अगर किसी जगह पर मजदूरों के साथ अन्याय अत्याचार होता है तो इसे सार्वजनिक करना और अनीति के खिलाफ आवाज उठाना प्रत्येक जिम्मेदार नागरिक का फर्ज बनता है।

यूपी में बदलती राजनीति और चुनाव

—योगेन्द्र यादव—

इस चुनाव में भाजपा की सफलता उत्तर प्रदेश पर निर्भर करती है। सिर्फ इसलिए नहीं कि उत्तर प्रदेश में देश की सबसे अधिक 80 संसदीय सीटें हैं और भाजपा के अधिकतम सांसद यहीं से आते हैं। पिछले 2 लोकसभा चुनावों में यहां से भाजपा ने 71 और 62 सीटों पर अप्रत्याशित सफलता प्राप्त कर देश की सत्ता पर दावेदारी ठोकी थी। उत्तर प्रदेश इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि हिन्दी पट्टी में यही एकमात्र प्रदेश है जहां भाजपा और कहीं भी हुई घाटे की भरपाई कर सकती है। बाकी सब हिन्दी प्रदेशों में तो भाजपा लगभग सभी सीटें जीती थी, इसलिए और ऊपर जाने की गुंजाइश नहीं है। पिछले एक–दो महीने से एक सर्वे के आधार पर यह दावा किया जा रहा है कि इस बार तो भाजपा अपने पुराने रिकॉर्ड भी तोड़ देगी, 70 पार और यहां तक कि पूरे 80 के दावे किए जा रहे हैं।

इन दावों की जांच करने के लिए हम कुछ साथियों ने दो चरणों में उत्तर प्रदेश के 15 संसदीय क्षेत्रों की यात्रा की। पहले चरण में अप्रैल के पहले हफ्ते में नोएडा, गाजियाबाद, मेरठ, मुजफ्फरनगर, कैराना और सहारनपुर तथा अप्रैल के तीसरे हफ्ते में बाराबंकी, मोहनलालगंज, उन्नाव, रायबरेली, अमेठी, प्रतापगढ़, इलाहाबाद, मिर्जापुर और वाराणसी तक गांवों की खाक छानी। इस पूरे क्षेत्र में घूमने से यह स्पष्ट संकेत मिलता है कि इस बार उत्तर प्रदेश में कुछ बड़ा उलटफेर होने जा रहा है। जनता के मन की थाह लेने के लिए हमने कोई तकनीकी सर्वे या किसी खुफिया तरीके का इस्तेमाल नहीं किया। हमने जो किया उसे चाहें तो आप भी इस्तेमाल कर सकते हैं और अपने इलाके में खुद चौक भी कर सकते हैं।

हम 5–6 व्यक्ति एक साथ गाड़ी में बैठकर सुबह से देर शाम तक गांव–देहात में घूमते थे और साधारण लोगों से पूछा कि उनका मत क्या है, पिछली बार कहां था, और इस बार किसे जाएगा। चुनाव के मिजाज और लोगों के अपने रुझान के बारे में बातचीत करते वक्त इतना ध्यान जरूर रखते थे कि सड़क के किनारे या गांव के कुछ बड़े परिवारों से बात करने की बजाय सभी जाति समुदाय के लोगों से बात करें, नेताओं या पत्रकारों से पूछने की बजाय एक साधारण वोटर से बातचीत करें। हमारे इस सफर से उत्तर प्रदेश का बुंदेलखंड क्षेत्र, पूर्वांचल के बिहार से सटे जिले और प्रदेश के बड़े शहर अछूते रहे। हमारी बातचीत महिलाओं की तुलना में पुरुषों से अधिक हुई। यह हमारे निष्कर्ष की सीमा हो सकती है।

प्रदेश के सैंकड़ों साधारण वोटरों से हुई इस बातचीत के आधार पर एक बात तो बिल्कुल साफ है कि उत्तर प्रदेश में इस चुनाव में परिवर्तन की हवा है। यानी कि 2019 की अपनी स्थिति में सुधार करने की बजाय भाजपा वहां तक भी पहुंचती दिखाई नहीं देती। अभी से यह नहीं कहा जा सकता कि भाजपा के वोट में गिरावट कितनी है और उसका सीटों पर कितना असर होगा। यह भी पूरी तरह साफ नहीं था कि यह परिवर्तन की बयार इस बार क्यों चल रही है। इन बातों को समझने के लिए अभी कुछ देर और इंतजार करना पड़ेगा।

परिवर्तन की इस हवा को अभी से भाजपा के खिलाफ आंधी नहीं कहा जा सकता। प्रधानमंत्री मोदी की अंधभक्ति बहुत कम हो गई है, लेकिन एक सामान्य वोटर में उनके प्रति अभी गुस्सा नहीं है। एक दबी छुपी–सी निराशा है, उससे भी ज्यादा थकान है। अब मोदी का नाम लेने भर से बाकी सब मुद्दों पर चर्चा रुक नहीं जाती। एक साधारण वोटर कांग्रेस सरकार द्वारा लागू की गई 5 किलो राशन की योजना का श्रेय मोदी जी को देता है, लेकिन इस बार सिर्फ उनके नाम पर वोट नहीं पड़ेगा। उत्तर प्रदेश के गांवों में मोदी की तुलना में योगी ज्यादा लोकप्रिय हैं, उन्हें गुंडागर्दी खत्म करने का श्रेय मिलता है। साथ ही योगी के समर्थक यह आशंका भी जाहिर करते हैं कि शिवराज सिंह चौहान और वसुंधरा राजे सिंधिया की तरह उनका पत्ता भी काटा जा सकता है। कहते हैं कि लोकसभा का चुनाव योगी जी का नहीं है।

उधर आम जनता में भाजपा के अधिकांश सांसदों और स्थानीय नेताओं के खिलाफ बहुत गुस्सा है और अनेक वोटर इस चुनाव में वोट का इस्तेमाल उन्हें सबक सिखाने के लिए करेंगे। यह चुनाव मोदी से ज्यादा मुद्दों का चुनाव होता जा रहा है। हर वोटर के मन में महंगाई और बेरोजगारी है। ग्रामीण जनता अपनी आध्थक स्थिति से त्रस्त है। कई लोग याद करते हैं कि नोटबंदी या फिर लॉकडाऊन के समय से उनकी स्थिति सुधरी नहीं है। एक किसान बोला मोदी जी ने हम सबको चौकीदार बना दिया है। भाजपा सरकार को कानून व्यवस्था का श्रेय देने से भी यह मुद्दे दबते नहीं। अयोध्या के राम मंदिर में हुई प्राण प्रतिष्ठा का मामला लोग अपने आप नहीं उठाते, वोट के संदर्भ में उसका जिक्र नहीं करते। जब चुनाव जीवन के मुद्दों पर होता है तो सत्तारूढ़ दल को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

लेकिन यहां पूछा जा सकता है कि यह सब ड्डशचया तो नई नहीं है। विधायकों के प्रति गुस्सा तो 2022 में भी था, लेकिन तब भाजपा नहीं हारी। इस बार वोट क्यों खिसक रहे है? शायद इसका कारण यह है कि देश में लोकतांत्रिक व्यवस्था को आसन्न खतरे को अब साधारण वोटर अपने मुहावरे में समझने लगा है। अनेक लोगों ने कहा कि परिवर्तन होना चाहिए, चूंकि अगर तीसरी बार फिर मोदी जी आ गए तब तो तानाशाही शुरू हो जाएगी। एक साधारण ग्रामीण ने समझाया कि जब किसी को पहली बार प्रधान चुनते हैं तो वह संभल कर सही काम करता है। अगर दूसरा मौका मिले तो चोरी चकारी सीख जाता है, अगर तीसरी बार वही प्रधान बन जाए तो हमारे सिर पर बैठकर डंडा चलाता है।

इस बदलाव का चुनाव परिणाम पर क्या असर होगा, अभी से इसका सटीक अनुमान लगाना संभव नहीं है। हमारे सुनने में जो आया उसके हिसाब से भाजपा के पिछले वोटरों में से एक चौथाई कहते हैं कि इस बार उसे वोट नहीं देंगे। सभी जगह और सभी जातियों में भाजपा का वोट खिसक रहा है। सपा और कांग्रेस का वोट कमोबेश कायम है। बी. एस.पी. का वोटर पार्टी का नाम लेने में झिझकता है। वहां थोड़ी गिरावट दिखती है। लेकिन बी.एस.पी. से छिटका वोटर भाजपा को नहीं जा रहा। इस आधार पर इतना तो कहा जा सकता है कि भाजपा की सीटों में गिरावट होगी।

यानी 70 तो छोड़िए, भाजपा के लिए 60 सीटें बचाना भी नामुमकिन लगता है। अगर 2019 में भाजपा को जितने वोट मिले थे उसका छठवां हिस्सा भी छिटक कर सपा और कांग्रेस को मिल गया तो भाजपा 50 सीटों का आंकड़ा भी नहीं छू पाएगी। वैसे अभी सिर्फ 16 सीटों में वोट पड़े हैं और स्थिति बदल सकती है। फिलहाल तो हर दिन स्थिति भाजपा के लिए विकट होती दिखाई दे रही है। चुनाव के पहले दोनों चरणों में उत्तर प्रदेश में मतदान में कोई 6 प्रतिशत की गिरावट भी इसी तरफ इशारा कर रही है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि अगर भाजपा को उत्तर प्रदेश में घाटा होता है, तो वह बाकी देश में हुए नुकसान की भरपाई कहां से करेगी? 400 पार के जुमले को भूल भी जाएं तो भाजपा 272 का जादुई आंकड़ा कैसे पार करेगी?

मुक्त व्यापार को लेकर दबाव का बढ़ता सिलसिला

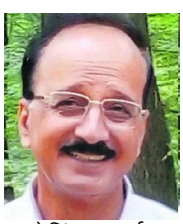

—देविंदर शर्मा—

मुक्त व्यापार कभी भी निष्पक्ष नहीं रहा। पहले की 'फेयर एंड लवली' क्रीम, जिसे अब 'ग्लो एंड लवली' नाम दिया गया है, की तरह फ्री ट्रेड दुनियाभर के बड़े कारोबारों को आसानी से आकर्षित कर सकता है ताकि ग्लोबल साउथ के देशों यानी गरीब व विकासशील देशों को इसकी विशाल आर्थिक क्षमता पर विश्वास हो सके। विवादास्पद 'फेयर एंड लवली' क्रीम ने भी त्वचा को कथित गोरा करने वाले कॉस्मेटिक उत्पाद के साथ ऐसा ही किया। 'गोरे' को सुंदर और 'सांवले' को बदसूरत समझना सांवली त्वचा वाले लोगों का उपहास करने जैसा था और अंततः कंपनी को जनता के दबाव के आगे झुकना पड़ा।

मुक्त व्यापार को लेकर दबाव का सिलसिला बढ़ता जा रहा है। इस साल की शुरुआत में यूरोप में विशाल किसान आंदोलन हुए। 27 यूरोपीय देशों में से 24 किसी न किसी स्तर पर विरोधों का सामना कर रहे हैं। इन आंदोलनों में फ्री ट्रेड एग्रीमेंट्स (एफटीए) को 'उखाड़ फेंकने' का आह्वान कर रहे थे जिसकी वजह से यूरोप में भोजन व फल–सब्जियां सस्ते हो गये व घरेलू किसानों की आजीविका सुरक्षित करना मुश्किल हो रहा था।

फ्रांस अकेले अपनी फल और सब्जी की जरूरत का 71 फीसदी आयात करता है। भारत में, किसान आंदोलन 2.0 मुख्य रूप से कृषि उपज के लिए कानूनन बाध्यकारी न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की मांग कर रहा है, और इसकी अन्य मांगों में भारत को विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) से हटने के लिए कहना भी शामिल है।

इस लेख में अमेरिका द्वारा हाल ही में अपनाए गये उस कड़े कदम का विश्लेषण करने का प्रयास किया जायेगा जो विकासशील देशों में बाजार की पकड़ और ज्यादा मजबूत करने को लेकर है। अमेरिका की तो हमेशा से विकासशील देशों के बाजार में पहुंच बनाने की तीव्र इच्छा रही है। जिसमें ध्यान का केंद्र स्वाभाविक तौर पर भारत का विशाल बाजार रहा है। अमेरिकी वित्त समिति की हालिया सुनवाई में सीनेटरों के सवालों का जवाब देते हुए, अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) कैथरीन टाई ने कहा–'हम कड़ी मेहनत करने वाले अमेरिकी परिवारों और समुदायों, विशेष रूप से हमारे ग्रामीण समुदायों के लिए बाजार खोल रहे हैं। बातचीत के माध्यम से, हमारे प्रशासन ने पिछले तीन वर्षों में नए कृषि बाजारों तक 21 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक की पहुंच सुनिश्चित की है,' और आगे कहा, 'इसमें वृद्धिमान बाजार, भारत के साथ 12 टैरिफ श्रेणियां शामिल हैं जो अमेरिकी निर्यातकों के लिए तरक्की का मौका हैं।'

हालांकि मेहनतकश अमेरिकी परिवारों और ग्रामीण समुदायों की सुरक्षा को लेकर अमेरिकी की रुचि समझी जा सकती है लेकिन भूमंडलीकरण के तहत हर देश को उन दसियों हजारों किसानों की आजीविका की भी रक्षा करनी चाहिए जो दुनिया के किसी और हिस्से में सस्ते आयातों के चलते तबाह हो जाते हैं। यह न भूलें कि भोजन का आयात करना बेरोजगारी का आयात करने के समान है। मुझे याद है कि मैंने जर्मन किसानों से भी कमोबेश इसी तरह का प्रश्न पूछा था, जो दक्षिणी जर्मनी के लैंड्सफुहल में एक फार्म हाउस में डिनर के दौरान जीएटीटी निर्यातकों के एक छोटे समूह से मिलने आए थे (मेरी पुस्तकरू गैट टू डब्ल्यूटीओ रू निराशा के बीज 1995. कोणार्क पब्लिशर्स, नई दिल्ली)। यह 1990 के दशक के मध्य में किसी समय का वाकया है। 'मानता हूं कि आप सरप्लस खाद्यान्न का उत्पादन करते हैं जिसके लिए आप दक्षिण में एक स्थाई बाजार की तलाश कर रहे हैं। लेकिन शायद आपको इस बात का अहसास नहीं है कि आप यहां जो सरप्लस अनाज पैदा करेंगे, वह भारत जैसे देशों में लाखों छोटे और सीमांत किसानों को उनके खेतों से दूर कर देगा। उन व्यापार वार्ताकारों के उलट, जो नष्ट हो रही कृषि आजीविका के बारे में दूर–दूर तक चिंतित हुए बिना, आजकल व्यापार वार्ता की अगुवाई करते हैं, मुझे वहां किसानों से जो उत्तर मिला, वह अत्यधिक समर्थन प्रदान करने वाला था। भारतीय किसानों के साथ एकजुटता व्यक्त करते हुए उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा था कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं थी कि उनका अधिशेष खाद्यान्न भारत में आजीविका को नष्ट कर देगा। जर्मनवासी किसान भारतीय किसानों की पीड़ा को समझ सकते थे और इसलिए चाहते थे कि सुधारात्मक कदम उठाए जाएं।

मैंने सोचा कि अमेरिका को भी उस असर का आकलन करना चाहिये जो बादाम, अखरोट और सेब समेत अन्य चीजों पर प्रतिरोधात्मक आयात शुल्क वापस लेने के बाद भारत पर पड़ेगा। चलो यहां सेब की बात करते हैं। समाचार रिपोर्टों के अनुसार, 20 फीसदी आयात शुल्क वृद्धि वापस लेने के बाद जब पहली खेप भारत के लिए रवाना हुई तो सिएटल बंदरगाह पर उत्सव मनाया गया। जाहिर है, भारत वाशिंगटन के सेब के लिए 120 मिलियन डॉलर का बाजार प्रदान करता है, जिससे अमेरिका में 68,000 सेब उत्पादक किसानों को लाभ होगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, नवंबर 2023 में आयात शुल्क आंशिक रूप से वापस लेने के एक महीने के भीतर 19.5 मिलियन डॉलर मूल्य के वाशिंगटन सेब भारत भेजे गए।

जैसा कि उम्मीद थी, यूएस कांग्रेस की सुनवाई में एक सीनेटर को यह कहते हुए उद्धृत किया गया था कि भारतीय गेहूं सब्सिडी कीमतों को बिगाड़ रही है और इससे अमेरिकी किसानों को नुकसान हो रहा है। एक अन्य सीनेटर ने चावल सब्सिडी के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि अगर चावल सब्सिडी डब्ल्यूटीओ के मापदंडों के भीतर होती, तो इससे अमेरिकी धान किसानों के लिए 850 मिलियन डॉलर के व्यापार के अवसर खुल जाते। यदि आपका अंदाजा सही है, तो ये सीनेटर भारत में एमएसपी व्यवस्था पर सवाल उठा रहे हैं जिसके तहत खासकर पंजाब और हरियाणा में गेहूं और चावल उत्पादक किसान, उच्च सुनिश्चित कीमतों से लाभान्वित होते हैं। अमेरिका ने बार–बार कहा है कि भारत किसानों को उत्पाद–विशेष के लिए समर्थन की 10 प्रतिशत की सीमा से अधिक एमएसपी भुगतान करके डब्ल्यूटीओ की शर्तों का उल्लंघन करता है।

आश्चर्यजनक तौर पर, ये आक्षेप बार–बार उस देश द्वारा लगाये जाते हैं जो दुनियाभर के कपास उत्पादकों को हानि पहुंचाने के लिए अपने देश के कपास उत्पादकों को दी जाने वाली भारी–भरकम सब्सिडी को बंद करने में विफल रहा हो। जरा तुलना ही करें तो, नई दिल्ली स्थित डब्ल्यूटीओ अध्ययन केंद्र के अनुसार, अमेरिका अपने 8,100 कपास उत्पादकों को प्रति किसान 117,494 डॉलर की घरेलू मदद प्रदान करता है। इसके विपरीत, 9 मिलियन से अधिक संख्या वाले भारतीय कपास उत्पादकों को प्रति किसान मामूली 27 डॉलर मिलते हैं। अमेरिका द्वारा अपने किसानों को प्रदान की जाने वाली कपास सब्सिडी का विवादास्पद मुद्दा पश्चिमी अफ्रीका के देशों और भारत में लाखों कृषकों की आजीविका को खत्म करने के लिए जाना जाता है, साल 2003 में असफल कैनकन डब्ल्यूटीओ मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में एक प्रमुख मुद्दे के रूप में सामने आने के वक्त से अनसुलझा बना हुआ है।

मुझे यह भी अजीब लगता है कि जब अमेरिकी सीनेटर उस हालात में भारत के झींगा उद्योग में बाल मजदूरी पर सवाल उठाते हैं जब अमेरिकी कृषि क्षेत्र सैकड़ों की तादाद में 18 साल से कम उम्र के बच्चों को नियुक्त करने के लिए जाना जाता है, और कुछ तो 10–12 वर्ष की नाजुक उम्र में वाणिज्यिक फार्म्स में श्रम करते हैं। प्रत्येक व्यक्ति की तरह, मैं भी संसार में कहीं भी खेती के काम में बालश्रम का विरोधी हूं। लेकिन जब खेती के कार्य में बाल श्रमिकों को लगाने की बात आती है तो अमेरिका भी इससे अछूता नहीं। यह निष्पक्ष स्थिति नहीं जो स्वतंत्र व्यापार सुनिश्चित करती हो। फ्री ट्रेड का अपने आप में यह मतलब नहीं कि यह 'फेयर और लवली' है।—लेखक कृषि एवं खाद्य विशेषज्ञ हैं।

गहराता जल–संकट

— ललित गर्ग—

मानवीय गतिविधियों और क्रिया–कलापों के कारण दुनिया का तापमान बढ़ रहा है और इससे जलवायु में होता जा रहा परिवर्तन अब मानव जीवन के हर पहलू के साथ जलाशयों एवं नदियों के लिए खतरा बन चुका है। जलवायु परिवर्तन का खतरनाक प्रभाव गंगा, सिंधु और ब्रह्मपुत्र सहित प्रमुख जलाशयों और नदी घाटियों में कुल जल भंडारण पर खतरनाक स्तर पर महसूस किया जा रहा है, जिससे लोगों को गंभीर जल परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। केंद्रीय जल आयोग के नवीनतम आंकड़े भारत में बढ़ते इसी जल संकट की गंभीरता को ही दर्शाते हैं। आंकड़े देश भर के जलाशयों के स्तर में आई चिंताजनक गिरावट की तस्वीर उकेरते हैं। रिपोर्ट के अनुसार 25 अप्रैल 2024 तक देश में प्रमुख जलाशयों में उपलब्ध पानी में उनकी भंडारण क्षमता के अनुपात में तीस से पैंतीस प्रतिशत की गिरावट आई है। जो हाल के वर्षों की तुलना में बड़ी गिरावट है। जो सूखे जैसी स्थिति की ओर इशारा करती है। जिसके मूल में अल नीनो घटनाक्रम का प्रभाव एवं वर्षा की कमी को बताया जा रहा है। जल के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। मानव एवं जीव–जन्तुओं के अलावा जल कृषि के सभी रूपों और अधिकांश औद्योगिक उत्पादन प्रक्रियाओं के लिये भी बेहद आवश्यक है। परंतु आज भारत गंभीर जल–संकट के सए में खड़ा है। अनियोजित औद्योगीकरण, बढ़ता प्रदूषण, घटते ग्लेशियर एवं ग्लेशियर, नदियों के जलस्तर में गिरावट, वर्षा की कमी, पर्यावरण विनाश, प्रकृति के शोषण और इनके दुरुपयोग के प्रति असंवेदनशीलता भारत को एक बड़े जल संकट की ओर ले जा रही है। भारत भर में 150 प्रमुख जलाशयों में जल स्तर वर्तमान में 31 प्रतिशत है, दक्षिण भारत में सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्र है, जिसके 42 जलाशय वर्तमान में केवल 17 प्रतिशत क्षमता पर हैं। यह भारत के विभिन्न क्षेत्रों में देखी गई सबसे कम जल क्षमता का प्रतीक है। स्थिति अन्य क्षेत्रों में भी चिंताजनक है, पश्चिम में 34 प्रतिशत और उत्तर में 32.5 प्रतिशत जलाशय क्षमता है। हालाँकि, पूर्वी और मध्य भारत की स्थिति बेहतर हैं, उनके पास अपने जलाशयों की सक्रिय क्षमता का क्रमशः 40.6 प्रतिशत और 40 प्रतिशत है, पिछले वर्ष वर्षा कम थी, विशेष रूप से दक्षिण भारत में, 2023 का मानसून असमान था क्योंकि यह अल नीनो वर्ष भी था– एक जलवायु पैटर्न जो आम तौर पर इस क्षेत्र में गर्म और शुष्क परिस्थितियों का कारण बनता है। इससे काफी चिंता पैदा हुई है। वर्तमान में, सिंचाई भी प्रभावित हो रही है, और देश भर में पीने के पानी की उपलब्धता और जलविद्युत उत्पादन पर प्रभाव के बारे में चिंताएं बढ़ रही हैं। भविष्य को देखते हुए, आने वाले महीनों में और अधिक गर्मी पड़ने की आशंका है, जो दर्शाता है कि आने वाले दिनों में बड़ा जल संकट उभरने वाला है।

लंबे समय तक पर्याप्त बारिश न होने के कारण जल भंडारण में यह कमी आई है। जिसके चलते कई क्षेत्रों में सूखे जैसे और असुरक्षित हालात पैदा हो गये हैं। जिससे विभिन्न फसलों पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है। इसका एक कारण यह भी है कि देश की आधी कृषि योग्य भूमि आज भी मानसूनी बारिश के निर्भर है। ऐसे में सामान्य मानसून की स्थिति पर कृषि का भविष्य पूरी तरह निर्भर करता है। वास्तव में लगातार बढ़ती गर्मी के कारण जल स्तर में तेजी से गिरावट आ रही है। इसके गंभीर परिणामों के चलते आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तमिलनाडु जैसे राज्यों में पानी की कमी ने गंभीर रूप धारण कर लिया है। देश का आईटी हब बेंगलुरु गंभीर जल संकट से जूझ रहा है। जिसका असर न केवल कृषि गतिविधियों पर पड़ रहा है बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी भी बुरी तरह प्रभावित हो रही है। ऐसे में किसी आसन्न संकट से निपटने के लिये जल संरक्षण के प्रयास घरों से लेकर तमाम कृषि पद्धतियों और औद्योगिक कार्यों तक में तेज करने की जरूरत है। जल भंडारण और वितरण दक्षता में सुधार के लिये पानी के बुनियादी ढांचे और प्रबंधन प्रणालियों में बड़े निवेश की तात्कालिक जरूरत भी है।

फाइनेंस कंपनी के पीआरओ से दिनदहाड़े 65 हजार की लूट

संवाददाता—महराजगंज। लोकसभा चुनाव को लेकर कड़ी निगरानी के बीच भी मंगलवार को पनियरा क्षेत्र के औरहिया—अड़बड़हवा मार्ग पर बाइक सवार बदमाशों ने फाइनेंस कंपनी के पीआरओ को पीट 65 हजार रुपया लूट लिया। आसपास के ग्रामीणों ने मारपीट व लूटपाट की घटना के बाद बदमाशों को दौड़ाया, लेकिन बाइक सवार बदमाश मुजुरी की तरफ भाग निकले। दिनदहाड़े लूट की घटना से सनसनी मच गई। सूचना मिलते के बाद पनियरा पुलिस मौके पर पहुंच जांच—पड़ताल शुरू कर दी। सीओ सदर आभा सिंह भी मौके पर पहुंचीं। पनियरा पुलिस को कार्रवाई के लिए दिशा निर्देश दिया। गोरखपुर कैम्पियरगंज में स्थित एक फाइनेंस कंपनी में आशुतोष शुक्ला पीआरओ पद पर काम करते हैं। वे कैम्पियरगंज के ही रहने वाले हैं। मंगलवार की दोपहर में पनियरा थाना क्षेत्र के औरहिया—अड़बड़हवा मार्ग से वसूली कर बाइक से लौट रहे थे। आशुतोष के मुताबिक बाइक सवार दो बदमाशों ने रोका। बिना कुछ पूछे हाथापाई करते हुए गिरा दिया। मारते—पीटते रुपया से भरा बैग लूट लिया। मारपीट देख आसपास मौजूद लोगों ने बदमाशों को पकड़ने के लिए दौड़ाया, लेकिन बाइक सवार बदमाश रुपया से भरा बैग लेकर मुजुरी की तरफ फरार हो गए। मोबाइल छीन कर उसे सड़क पर पटक तोड़ दिया। बैग में वसूली का 65 हजार रुपया था।

औरहिया—अड़बड़हवा मार्ग पर लूट की घटना से से बदहवास फाइनेंस कंपनी का पीआरओ कैम्पियरगंज चला गया। डेढ़ घंटे बाद वह फिर से घटना स्थल पर पहुंचा। पुलिस को सूचना दी। लूट की सूचना मिलते ही पनियरा पुलिस कई एसआई व पुलिस कर्मी मौके पर पहुंच जांच—पड़ताल करने लगे। ग्रामीणों ने बताया कि फाइनेंस कंपनी के पीआरओ के साथ मारपीट देख कुछ लोग मदद के लिए दौड़े लेकिन बदमाश फरार हो गए। प्रभारी निरीक्षक पनियरा निर्भय कुमार सिंह ने बताया कि घटना की सूचना पीड़ित ने डेढ़ घंटे बाद दिया। इसके बाद पुलिस सघन जांच शुरू कर दी। आरोपितों का पता लगाने के लिए घटनास्थल से मुजुरी की ओर लगाए गए सीसीटीवी फुटेज की जांच कराई जा रही है। जांच—पड़ताल के बाद विधिक कार्रवाई की जाएगी।

सर्राफ को रोककर लूटा, मुकदमा दर्ज

संवाददाता—गोण्डा। दुकान बंद कर घर लौट रहे बाइक सवार सर्राफा व्यापारी की आंख में मिर्च झोंककर 40 हजार की नकदी, कागजात लूटन के मामले में पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ सोमवार देर रात मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस घटना के बाद बदमाशों की तलाश में सरगर्मी से जुटी है। नवाबगंज थानाक्षेत्र में मनकापुर रोड पर पर्वती गांव के पास सोमवार देर शाम व्यापारी के साथ लूट की वारदात हुई थी। कस्बे के संचरही मोहल्ले के युवा व्यापारी अमित सोनी ने बताया कि कोल्हमपुर बाजार मे उसकी ज्वेलरीध् बर्तन की दुकान है। सोमवार शाम लगभग 8 बजे दुकान बंद करने के बाद बाइक से घर लौट रहा था। उसके साथ दूसरा युवक सतीश पाठक भी था। पर्वती गांव के निकट दो बाइक पर सवार चार लोग उसका पीछा करते हुए आए और उसे रोक कर मनकापुर का रास्ता पूछने लगे। इसी दौरान जब उसने रास्ता बताने के लिए हेलमेट का शीशा ऊपर किया तो एक बदमाश ने उसके और उसके साथी के आंखो मे मिर्च का पाउडर झोंक दिया। दूसरे ने असलहा दिखाते हुए डिक्की खुलवाकर उसमें रखी नकदी और कागजात अपने कब्जे ले लिया। इसके बाद सभी बदमाश फरार हो गए। घटना की सूचना पर सीओ सौरभ वर्मा और जिले की एसओजी टीम भी मौके पर पहुंची। प्रभारी निरीक्षक मनोज राय ने बताया की मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। घटना के खुलासे का प्रयास किया जा रहा है। व्यापारी की दुकान पर लगे सीसीटीवी से हुआ था पिछली लूट का खुलासारू कोल्हमपुर बाजार मे स्थित अमित सोनी के दुकान पर लगा सीसीटीवी फुटेज बीते साल 22 सितम्बर को हरिवंशपुर गांव मे एक सेल्समैन के साथ हुए लूट के खुलासे में पुलिस का मददगार बना था। इसी दुकान पर लगे कैमरे के जरिए घटना के समय के आसपास कोल्हमपुर बाजार से गुजरे बदमाशों की पहचान हुई थी। बाद में पुलिस मुठभेड़ में आरोपितो को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था।

मेरा गोंडा...मेरी शान, मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए जागरूकता गीत किया लान्च

संवाददाता—गोण्डा। जिले में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए डीएम नेहा शर्मा की पहल पर मंगलवार को स्थ्थानीय स्थ्तर पर तैयार जागरूकता गीत, 'मेरा गोंडा, मेरी शान...' लॉन्च किया गया। कमिश्नर योगेश्वर राम मिश्र ने इसे लॉन्च किया। इस गीत को अवध रत्न से सम्मानित लोकगायक शेनदत्त सिंह ने अपनी आवाज दी है। गीत कबीर का है और प्रकाश सोनी ने संगीत दिया है। इस गीत के जरिए जिले के लोगों से 20 मई को मतदान जरूर करने का आह्वान किया गया है।

कमिश्नर योगेश्वर राम मिश्र की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला पंचायत सभागार में गीत की लॉचिंग की गई। इस मौके पर डीएम नेहा शर्मा ने बताया कि लोकगायक शेनदत्त सिंह जनपद गोण्डा के छपिया ब्लॉक के निवासी हैं। स्थानीय कलाकार के गीत के माध्यम के जरिए मतदाताओं को जोड़कर मतदान के लिए प्रेरित करने का प्रयास किया गया है। उन्होंने बताया कि मतदाता जागरूकता के लिए जिले में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में बुधवार एक मई से जिले की ग्राम पंचायतों में ई—रिक्शा के माध्यम से जागरूकता कार्यक्रम का संचालन किया जाएगा। इन ई—रिक्शा में मेरा गोण्डा मेरी शान... गीत बजाकर मतदाताओं को 20 मई को मतदात जरूर करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। इसके अलावा जिले के नगरीय निकायों और रोडवेज के वाहनों में भी इस गीत के माध्यम से मतदाताओं को जागरूक किया जाएगा।

इस मौके पर कमिश्नर योगेश्वर राम मिश्र ने मतदाताओं से 20 मई को आगे आने और अपना मताधिकार का इस्तेमाल करने की अपील की। उन्होंने कहा कि मतदान दिवस को अवकाश न मानें। मजबूत लोकतंत्र के निर्माण में हर एक वोट की अहमियत होती है। अपने वोट की ताकत को समझें और मतदान अवश्य करें।

समारोह आयोजित कर मेधावियों को सम्मानित किया गया

संवाददाता—बहराइच। सआदत इंटर कालेज में मंगलवार को मेधावी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। प्रबन्धक तहसीलदार अजय कुमार यादव की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में बोर्ड परीक्षा के मेधावियों को सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि किसान महाविद्यालय के हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. नीरज पांडे व विशिष्ट अतिथि केंद्रीय विद्यालय प्राधानाचार्य संजय शर्मा रहे। संचालन शिक्षक रमेश चंद पांडे ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों की ओर से मां सरस्वती के चित्र पर द्वीप प्रज्ज्वलित करने के साथ हुई। मेधावियों को सम्मानित करने के बाद तहसीलदार ने उपस्थित मेधावियों, अतिथियों, शिक्षकों व अविभावकों को मतदान करने के फायदे बताते हुए मतदान की शपथ दिलाई। मेधावी छात्रों में हाईस्कूल के संकल्प पांडे, अरमान खान, तराना, इरम नुरी व इंटरमीडिएट में मानविकी वर्ग में पलक पांडे,सीमा देवी, लक्ष्मी देवी, शुभांगी त्रिवेदी, वाणिज्य वर्ग में अन्नू विश्वकर्मा, मुस्कान सोनी, योगेश सिंह, व्यवसायिक वर्ग में अंकित कुमार, मोहित कुमार, सीरत फात्मा को पुष्प माला पहनाकर व उपहार देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. अरविंद मिश्रा, प्राथमिक विद्यालय भग्गापुरवा प्रधानाचार्य डॉ. याशमीन बेगम, विद्यालय के सदस्य डॉ. आनन्द अग्रवाल, ओम प्रकाश पोद्दार, अविभावक संघ अध्यक्ष महेश सोनी, बिना विश्वकर्मा, शिक्षक विशाल पांडे, मनोज मिश्रा, डॉ. रामरघुवंश मणि त्रिपाठी, सन्तोष त्रिवेदी, पुनीत शुक्ला, रेहान अहमद सहित अन्य मौजूद रहे।

सपा प्रत्याशी ने दाखिल कराया नामांकन, आठ ने खरीदा पर्चा

संवाददाता—बलरामपुर। लोकसभा चुनाव के लिए दूसरे दिन जहां गठबंधन की ओर से सपा प्रत्याशी राम शिरोमणि वर्मा ने प्रस्तावक के माध्यम से नामांकन पत्र दाखिल किया है, वहीं दूसरी ओर आठ प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र खरीदा है। नामांकन पत्र खरीदने वालों में कई नाम चौंकाने वाले हैं। निर्दल प्रत्याशी के रूप में पर्चा खरीदकर पूर्व विधायक धीरेन्द्र प्रताप सिंह धीरू ने माहौल गर्म कर दिया है। बसपा की ओर से मुइनुद्दीन खां ने पर्चा खरीदा है। हालांकि बसपा ने अभी तक किसी को अपना प्रत्याशी घोषित नहीं किया है। श्रावस्ती लोकसभा चुनाव की अधिसूचना जारी होने के दूसरे दिन नामांकन और पत्रों की बिक्री जारी रही। दूसरे दिन भी कोई प्रत्याशी नामांकन करने नहीं पहुंचा। यह बात और थी कि इंडी गठबंधन के सपा प्रत्याशी निवर्तमान सांसद राम शिरोमणि वर्मा का नामांकन पत्र उनके प्रस्तावक पूर्व सपा जिलाध्यक्ष परशुराम वर्मा ने जमा किया है। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में सपा प्रत्याशी खुद भी दूसरा सेट नामांकन पत्र दाखिल करेंगे। वहीं दूसरी ओर मंगलवार को आठ नामांकन पत्रों की बिक्री हुई। नामांकन पत्र लेने वालों में प्रमुख रूप से बसपा के मोइनुद्दीन खां, निर्दलीय शांति देवी, किसान संघर्ष मजदूर पार्टी के हनोमान प्रसाद, राष्ट्रीय जनता पार्टी से गीता गौतम, निर्दलीय कृष्ण कुमार, धीरेन्द्र प्रताप सिंह धीरू, आम जनता पार्टी के युगल किशोर व पीस पार्टी से अहमद जिया खान ने पर्चा खरीदा है। बसपा ने अभी तक किसी को अपना प्रत्याशी घोषित नहीं किया है। मोइनुद्दीन का नाम पिछले कुछ दिनों से चर्चा में आया है। उन्होंने नामांकन पत्र खरीदकर चुनाव लड़ने की चर्चाओं को और भी बल दे दिया है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि पूर्व विधायक धीरेन्द्र प्रताप सिंह धीरू ने भी नामांकन पत्र खरीदा है। धीरू पहले इंडी गठबंधन से टिकट मांग रहे थे। बताया जाता है कि उनका रुझान बसपा की ओर था। हालांकि पिछले कुछ दिनों से वह पूरी तरह से शांत थे और उनके चुनाव न लड़ने की चर्चा जोरों पर थीं। जानकार मानते हैं कि वह निर्दलीय तो चुनाव नहीं लड़ेंगे ऐसे में अभी बसपा टिकट के आधिकारिक घोषणा का इंतजार लोग कर रहे हैं। वहीं गैसड़ी विधानसभा उपचुनाव में पीस पार्टी की इंट्री हो गई है। पीस पार्टी प्रत्याशी के रूप में मो गुलजार अहमद ने पर्चा खरीदा है। मंगलवार को विधान सभा के लिए एक मात्र पर्चे की बिक्री हुई है।

फटा नोट न लेने पर पेट्रोल पंप के सेल्स मैन को पीटा, 17 अज्ञात पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता—देवरिया। गोरखपुर—देवरिया मुख्य मार्ग पर खरोह चौराहे के समीप स्थित पेट्रोल पंप पर 50 रुपये के फटे नोट को लेकर हुए विवाद में मनबढ़ युवकों ने सेल्समैन को लाठी डंडे से मारपीट कर घायल कर दिया। घायल अवस्था में उसे इलाज के लिए सीएचसी गौरी बाजार ले जाया गया। इस मामले में सेल्समैन की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात लोगों के विरुद्ध मारपीट समेत अन्य गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया है। पूरी घटना सीसी टीवी कैमरे में है। स्थानीय थाने में दी गई तहरीर में पेट्रोल पंप के सेल्समैन राहुल पाल पुत्र अमरनाथ पाल निवासी ग्राम बदुरहिया थाना चौरी चौरा जनपद गोरखपुर ने आरोप लगाया कि सोमवार की शाम बाइक सवार दो युवक पेट्रोल भरवाने के लिए पंप पर आए। 50 का फटा नोट दिए। दूसरा नोट मांगने पर वे भड़क गए और विवाद करने लगे। सेल्समैन से नोंक झोंक के बाद वे घर चले गए। कुछ देर बाद गांव के अन्य कुछ साथियों के साथ मनबढ़ युवक लाठी डंडे से लैस होकर पेट्रोल पंप पर पहुंचे। तोड़फोड़ करते हुए पेट्रोल पंप के ऑफिस में घुसकर सेल्समैन को मारपीट कर घायल कर दिया। इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गौरी बाजार ले जाया गया। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। सेल्समैन की तहरीर पर अज्ञात लोगों के विरुद्ध मारपीट का केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। इस संबंध में थानाध्यक्ष दिनेश कुमार मिश्र ने बताया कि केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही है। वहीं. निदेशक दिव्यांश विक्रम सिंह ने बताया कि हमलावरों ने मौके पर खड़ी महिलाओं और बुजुर्गों का भी ध्यान नहीं रखा। पुलिस ने कुछ लोगों को थाने पर पुछताछ कर रही है। उम्मीद है कि जल्द ही घटना में शामिल मनबढ़ों को पुलिस अपनी शैली में जवाब में देगी।

पति से पत्नी का विवाद, नाराज होकर फंदे से लटकर दे दी जान

संवाददाता—महराजगंज। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सभा भरवलिया बड़का टोला निवासी एक विवाहिता का शव पेड़ से लटकता मिला है। जिससे घरवालों में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। विवाहिता का मायका नेपाल बताया गया। ठूठीबारी कोतवाली क्षेत्र के भरवलियां निवासी महावीर बेलदार ने बताया कि उनकी तीन संतान में सबसे छोटा ध्रुप बेलदार है। जिसकी शादी करीब छह वर्ष पहले 2018 में नेपाल के टीकुलीगढ़ हुई थी। जिससे उनकी दो संतान है। बड़ी बेटी रितिका उम्र पांच वर्ष व छोटी राधिका तीन साल बताया गया। उन्होंने बताया कि घटना की सुबह बेटा ध्रुप बेलदार और बहु किरन से बच्चो के पढ़ाई लिखाई को लेकर वाद विवाद हुआ। जिससे खुन्नस खाई बहु ने बड़ी बेटी की पिटाई कर गांव के उत्तर सास, ससुर द्वारा किए सब्जी की खेती के पास जाकर बैठ गई। सास, ससुर भी अपने सब्जी के निराई गुड़ाई में व्यस्त हो गए। इसी बीच कब बहु किरन उठकर वहां से चली गई किसी को पता भी न चला। करीब एक घंटे बाद गांव का एक लड़का दौड़ते हुए बदहवास हालत में ससुर महावीर के पास आकर बहु किरन के चंदन नदी के किनारे एक पेड़ पर दुपट्टा का फंदा बनाकर लटकने की सूचना दी। जिस पर वहां मौजूद लोगों के साथ पहुंचकर शव को नीचे उतारकर देखा तो उसकी मौत हो चुकी थी।

नौतनवा पुलिस ने आरोपी शिक्षक को झारखंड से किया गिरफ्तार

संवाददाता—महराजगंज। नौतनवा थाना क्षेत्र के एक गांव के स्कूल के शिक्षक ने बीते 8 फरवरी को छठवीं कक्षा में पढ़ रही छात्रा का अपहरण कर लिया था। शिक्षक के फरार हो जाने के मामले में पुलिस ने ढाई महीने बाद झारखंड से आरोपी शिक्षक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने सोमवार को आरोपी शिक्षक को न्यायालय में प्रस्तुत किया। उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। आरोपी शिक्षक बिहार राज्य के जनपद औरंगाबाद का रहने वाला है। घर से पढ़ाई के लिए बीते 8 फरवरी को स्कूल गई किशोरी जब समय बीत जाने के बाद भी घर नहीं पहुंची तो परिजन उसकी तलाश में जुट गए थे। कुछ देर बाद ही शिक्षक के भी गायब होने की सूचना मिलते ही लोग सकते में आ गए। काफी खोजबीन के बाद भी दोनों का कुछ भी पता नहीं चला था। इसकी शिकायत किशोरी के पिता ने नौतनवा पुलिस से कर कार्रवाई की मांग की थी। मामले में पुलिस आरोपी शिक्षक के विरुद्ध किशोरी के अपहरण, बलात्कार व पाक्सो एक्ट के तहत कई गंभीर धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर जांच करवाई में जुट गई थी।

आरोपी शिक्षक की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की कई टीमें लगाई गई। लगातार उसके मोबाइल सर्विलांस पर भी लगाए गए। बावजूद उसका कुछ पता नहीं चल रहा था। हालांकि पुलिस इस बीच उसके मोबाइल लोकेशन के सहारे ही झारखंड पहुंची और उसे गिरफ्तार कर लिया। साथ में किशोरी को भी पुलिस ने उसके कब्जे से बरामद कर लिया। थानाध्यक्ष मनोज कुमार राय ने बताया कि आरोपी शिक्षक को सिंहपुर पलामू झारखंड से गिरफ्तार कर लिया गया है। किशोरी को भी सकुशल बरामद किया गया है। आरोपी शिक्षक को न्यायालय पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। किशोरी को मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा गया है। जल्द ही उसके परिजनों को सुपुर्द कर दिया जाएगा। लक्ष्मण मिश्रा निवासी ग्राम वेनी थाना माली जनपद औरंगाबाद बिहार के विरुद्ध धारा 363, 366, 344, 376, 120 बी एवं पाक्सो एक्ट के तहत मुकदमा पंजीकृत है। आरोपी शिक्षक को गिरफ्तार करने के लिए लगाई गई पुलिस टीम में नौतनवा थाने के उप निरिक्षक मंगला प्रसाद, कांस्टेबल सत्यप्रकाश, कांस्टेबल पीयूष यादव, महिला आरक्षी पूनम यादव आदि शामिल रहीं।

फोर्स ठहरने वाले स्कूलों का भ्रमण कर एसपी ने देखी व्यवस्था

संवाददाता—श्रावस्ती। 25 मई को श्रावस्ती में लोकसभ मतदान होगा। मतदान को लेकर सभी तैयारियां मुकम्मल की जा रही हैं और फोर्स ठहरने के लिए स्कूलों को चिन्हित कर लिया गया। एसपी ने दो स्कूलों का भ्रमण कर व्यवस्था का जायजा लिया। पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया ने मंगलवार को नवीन माडर्न पुलिस थाना श्रावस्ती क्षेत्र का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने लोकसभा चुनाव को लेकर फोर्स के ठहरने व समुचित व्यवस्था के लिए राजकीय महामाया डिग्री कालेज श्रावस्ती व चौधरी राम बिहारी बौद्ध इंटर कालेज श्रावस्ती का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालय के प्रबन्धक से विद्यालय में लाइट, पानी, शौचालय आदि के बारे में जानकारी ली। साथ ही श्रावस्ती थाने के थानाध्यक्ष को सभी व्यवस्थाओं को समय से पूर्ण करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने निर्देश दिया कि चुनाव के दौरान जिस विद्यालय में फोर्स ठहरेगी, उन सभी चिन्हित स्कूलों में शत प्रतिशत व्यवस्था मुकम्मल कर ली जाय। यहां से निकलकर एसपी ने कस्बा कटरा में पुलिस बल के साथ फ्लैग मार्च किया और लोगों से संवाद कर कुशल क्षेम जाना व सुरक्षा का एहसास कराया। साथ ही संदिग्ध व्यक्तियों व वाहनों की चेकिंग की गई।

प्रदूषित और बदबूदार पानी से पेट की बीमारियों का शिकार हो रहे लोग

संवाददाता—गोण्डा। नगर पंचायत तरबगंज क्षेत्र में रहने वाली करीब 20 हजार की आबादी प्रदूषित और बदबूदार पानी पीने को विवश है। इससे लोग पेट की विभिन्न बीमारियों के शिकार हो रहे हैं। इतना ही नहीं कस्बे में जल में आर्सेनिक की मात्रा ज्यादा होने से कपड़े और गाड़ियां भी बदरंग हो रही हैं। हालांकि नगर पंचायत में विलीन पांच पंचायतों में से ढोढेपुर नगर पंचायत में शामिल होने से पूर्व में ही नीर निर्मल योजना से संतृप्त हो चुकी थी। लेकिन वहां पर भी विगत एक माह से पानी का मोटर खराब होने से सप्लाई बाधित है। नगर पंचायत तरबगंज में 15 वार्ड हैं। इसमें शामिल होने से पूर्व ही ग्राम पंचायत सेमरा और कटहा में भी पानी की टंकी निर्मित हो चुकी थी लेकिन सप्लाई के लिए पाइप लाइन नहीं बिछाई जा सकी थी। नगर पंचायत के रामापुर और रेतादल सिंह में अभी तक टंकी का निर्माण भी नहीं हो सका है। इसलिए नगर पंचायत के लोग स्वच्छ पेय जल का बाट जोह रहे हैं। तरबगंज निवासी आलोक मिश्रा ने बताया कि दूषित पेयजल से पेट की कई बीमारियां पैदा हो रही है। नगर पंचायत गठन के पहले से ही तरबगंज में स्वच्छ पेयजल की समस्या है। नगर पंचायत गठन के बाद लोगों को स्वच्छ पेयजल मिलने की आस जगी थी लेकिन अभी तक फलीभूत नहीं हो सकती है। सामाजिक कार्यकर्ता घनश्याम जायसवाल ने बताया कि नगर पंचायत तरबगंज में वास्तव में पानी की विकट समस्या है। स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता के लिए उन्होंने डीएम नेहा शर्मा को ट्विटर के माध्यम से समस्या अवगत कराया था। वही ढोढेपुर में खराब वाटर सप्लाई में विगत एक माह पहले बिजली मोटर खराब होने की शिकायत की गई थी। लेकिन अभी तक मोटर सही नहीं हुआ। बताया जा रहा है कि कस्बे के पानी का टीसीएस 300 से 500 तक बीच है। हंसराज पांडेय ने बताया कि गर्मी के दिनों में नगर पंचायत क्षेत्र में स्वच्छ पेयजल की किल्लत नगर वासियों और राहगीरों को परेशानी में डाल रही है। गर्मी के दिनो में राहगीर बूंद बूंद पानी को तरसते हैं। यदि नल देखकर पानी निकालना चाहते है तो नल पीला पानी देता है, जो पीने योग्य नहीं होता है। नगरवासी महेंद्र दुबे ने बताया कि लोग पीने के लिए तो फिल्टर वॉटर खरीद रहे हैं, लेकिन कपड़ा व वाहन धोने के लिए कितना पानी खरीदा जाए। फिल्टर वॉटर पीने से शरीर के लिए आवश्यक मिनरल भी छन जाता है। इससे शरीर की इम्यूनिटी कम हो रही है। इस संबंध में पूछे जाने पर सीएचसी अधीक्षक नवनीत गौरव सिंह ने बताया कि 50 से 100 टीडीएस के बीच ही पानी पीने योग्य होता है। पीला जल पीने योग्य नहीं है। इसको पीने से पेट की बीमारियां पैदा होंगी। अमरनाथ राम, ईओ नगर पंचायत ने कहा कि नगर पंचायत क्षेत्र के ढोढेपुर में खराब हुआ पानी का मोटर निकाला जा चुका है। इसकी मरम्मत करवा कर जल्द ही लगवाया जाएगा। पूरे नगर पंचायत क्षेत्र में स्वच्छ पेयजल के लिए व्यवस्था कराई जाएगी। चुनाव बाद इसमें तेजी आएगी।

थ्रेसर मशीन से बालक का कटा हाथ, दूसरा जख्मी

संवाददाता—बहराइच। रामगांव इलाके के खसहा मोहम्मदपुर में सोमवार रात गेहूं दंबाई के दौरान बालक ने थ्रेसर में गेहूं की फसल डालने पर हाथ अंदर जाकर कंधे से कटकर अलग हो गया, उसका दूसरा हाथ जख्मी हो गया। आनन— फानन में बालक को जिला अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों ने इलाज कर ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर कर दिया है। बालक की हालत काफी नाजुक बताई जा रही है। रामगांव थाने के खसहा मोहम्मदपुर निवासी 10 वर्षीय अमित पुत्र रामनरेश का एक हाथ उस वक्त हादसे का शिकार हो गया। जब उसने गलती से खेत में गेहूं की कटाई कर रही थ्रेसर मशीन में गेहूं की फसल डालते वक्त चपेट में आने से मासूम का हाथ कटकर अलग हो गया। परिजनों ने गंभीर हालत में उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने उसे प्राथमिक इलाज कर लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया है। अमित की हालत चिंताजनक बनी हुई है।

स्वैच्छिक सेवानिवृत जवान को दी गई विदाई

संवाददाता—श्रावस्ती। 62वीं वाहिनी एसएसबी मुख्यालय भिनगा में सहायक उप निरीक्षक गणेश सिंह के स्वैच्छिक सेवानिवृत्त होने पर विदाई समारोह का आयोजन मंगलवार को किया गया। कमांडेन्ट रबीन्द्र कुमार राजेश्वरी की अध्यक्षता में आयोजित समारोह में सहायक उप निरीक्षक गणेश सिंह को अधिकारियों व जवानों की ओर से सम्मान के साथ विदाई दी गई। सहायक उप निरीक्षक गणेश सिंह की नियुक्ति 18 मई 1993 को ग्रुप सेन्टर सशस्त्र सीमा बल जम्मू में हुई थी। इसके बाद नई दिल्ली, उत्तराखण्ड, असम, अरुणांचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर और उत्तर प्रदेश राज्य के विभिन्न वाहिनियों में 30 वर्ष 11 महीने 13 दिन तक सेवा देने के बाद वह 62वीं वाहिनी भिनगा से स्वैच्छिक सेवानिवृत्त हुए। सशस्त्र सीमा बल की तरफ से उनको 18 कैश रिवॉर्ड, तीन गुड एन्ट्री और दो मेडल से पुरस्कृत किया गया है।

पूर्वाचार्य महंत रामदास रामायणी उर्फ मानस कोकिल महाराज को संतों ने अर्पित की श्रद्धांजलि

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। रामनगरी की प्रतिष्ठित पीठ श्रीरावत मंदिर रामघाट के पूर्वाचार्य महंत रामदास रामायणी उर्फ मानस कोकिल महाराज को संतों ने शिद्दत से याद किया। मौका उनकी 14वीं पुण्यतिथि महोत्सव का था। मंगलवार को मंदिर प्रांगण में एक श्रद्धांजलि सभा आयोजित हुई, जिसमें अयोध्यानगरी के संत—महंतों ने साकेतवासी महंत के चित्रपट पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। संतों ने पूर्वाचार्य के कृतित्व—व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। इस मौके पर रावत मंदिर के वर्तमान पीठाधीश्वर महंत राममिलन दास ने कहा कि उनके गुरूदेव अप्रतिम प्रतिभा के धनी संत रहे। मानस के वह एक अच्छे वक्ता थे। उनकी आवाज कोयल के समान बहुत ही मधुर एवं सुरीली थी। इस कारण वह मानस कोकिल के उपनाम से भी प्रसिद्ध रहे। ज्यादातर लोग उन्हें इसी नाम से जानते और पहचानते थे। वह बहुत ही सरल स्वभाव के संत थे। सरलता तो उनमें देखते ही झलकती थी। भजनानंदी संत होने के

साथ—साथ वह गौ एवं संत सेवी थे। उन्होंने आश्रम का सर्वांगीण विकास किया। गुरूदेव जीवनभर मठ की उत्तरोत्तर समृद्धि में लगे रहे। उन्हीं की देन है कि आज आश्रम की गणना अयोध्याधाम के प्रमुख पीठों में होती है। इस अवसर पर काफी संख्या में संतों व भक्तों ने प्रसाद पाया। रावत मंदिर के वर्तमान महंत राममिलन दास महाराज ने पधारे हुए संत—महंत एवं विशिष्टजनों का स्वागत—सत्कार किया। पुण्यतिथि पर मणिरामदास छावनी के उत्तराधिकारी महंत कमलनयन दास, हनुमानगढ़ी के सरपंच महंत रामकुमार दास, खाकचौक के श्रीमहंत बृजमोहन दास, डाड़िया मंदिर के महंत गिरीश दास, पत्थर मंदिर महंत मनीष दास, हनुमतकथा कुंज महंत राकेश शरण, सरयूकुंज महंत राममिलन शरण, हनुमत भवन महंत सियाराम शरण, बड़ाफाटक के महंत संदीप दास, महंत रामकृष्ण दास रामायणी, महंत पवनकुमार दास, महंत रामअवतार दास रामायणी, महंत रामशरण दास रामायणी, महंत रामरक्षा दास, अवधबिहारी भवन के महंत आचार्य रमोज वत्स, चंद्रद्वितेश्वरनाथ मठ के महंत रवींद्र दास, महंत मुकेश दास, हनुमानगढ़ी के के पुजारी रमेश दास, विद्याभूषण शरण, संतदास आदि संत—महंत और भक्तगणों द्वारा साकेतवासी महंत को श्रद्धासुमन अर्पित कर नमन किया गया।

सेवानिवृत्त पुलिस कर्मचारी को दी गई विदाई

संवाददाता—श्रावस्ती। **उपनिरीक्षक** सचेन्द्र नाथ भट्ट की सेवानिवृत्ति पर मंगलवार को पुलिस कार्यालय में पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया की ओर से विदाई समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें सेवानिवृत्त उपनिरीक्षक को भावभीनी विदाई दी गई। एसपी ने सेवा निवृत्त हुए उपनिरीक्षक की सेवाओं और उपलब्धियों की प्रशंसा की। उन्होंने शाल व स्मृति चिन्ह भेंट किया तथा उनके दीर्घायु होने की कामना की। सीओ भिनगा अतुल कुमार चौबे, सीओ इकौना संतोष कुमार, सीओ जमुनहा सतीश कुमार शर्मा, प्रतिसार निरीक्षक अखिलेश कुमार समेत अन्य अधिकारियों व कर्मचारियों ने सेवानिवृत्त हुए कर्मचारी का माल्यार्पण किया और सम्मान के साथ विदा किया।

खेत देखने गए अधेड़ पर पागल कुत्ते ने किया हमला

संवाददाता—बहराइच। खेत देखने गए अधेड़ पर एकाएक पागल कुत्ते ने हमला कर दिया। निरुपाय अधेड़ ने बचाव की काफी कोशिश की। पांच मिनट तक हमलावर कुत्ता उसे नोचता रहा। ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत कर कुत्ते को खदेड़ दिया। घायल को परिजनों ने जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दरगाह थाने के चौतूपुरवा गांव निवासी 60 वर्षीय शंकर पुत्र लच्छू सोमवार को शाम लगभग सात बजे खेत में गेहूं की फसल की दंबाई में देखरेख को गए थे। अचानक एक पागल कुत्ते ने उन पर हमला कर दिया। हमला होते ही वह गिर पड़े। कुत्ते के हमले से बचाव को। हाथ चलाया तो कुत्ते ने हाथ व नाक पर काट लिया। हमले की घटना देखकर लोग दौड़े। कड़ी मशक्कत से कुत्ते को खदेड़ा गया। घायल को एंबुलेंस से जिला अस्पताल में लाकर भर्ती कराया गया। उसका इलाज चल रहा है।

ओबीसी, एससी-एसटी आरक्षण में कांग्रेस की धर्म के नाम पर सेंधमारी की मंशा को पूरी नहीं होने देंगे -योगी

संवाददाता–गोरखपुर। सीएम योगी आदित्यनाथ मंगलवार को गोरखनाथ मंदिर परिसर में मीडिया से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि संविधान का गला घोंटकर, पिछड़े और अनुसूचित जातियों के आरक्षण में सेंधमारी कर धर्म के आधार पर एक वर्ग विशेष को आरक्षण देने की कांग्रेस, सपा और इंडी गठबंधन की मंशा देश की जनता सफल नहीं होने देगी। भाजपा धर्म के आधार पर किसी भी प्रकार के आरक्षण की विरोधी है क्योंकि ध र्म–मजहब के आधार पर भारत के विभाजन का दंश आम जनता झेल चुकी है। भाजपा एससी–एसटी और ओबीसी आरक्षण के लाभ की पक्षधर है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कहा कि कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और इंडी गठबंधन से जुड़े जो दल हैं, इनके इतिहास के बारे में हर व्यक्ति जानता है। कांग्रेस का इतिहास बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के द्वारा बनाए गए संविधान का गला घोंटने का रहा है। 1950 में देश का संविध ान लागू हुआ और कांग्रेस ने लगातार, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को रौंदने समेत यह प्रयास किए कि वह संविध ान को अपने तरीके से इस्तेमाल करे। जनता का शासन जनता के लिए है, जनभावनाओं का सम्मान हो, कांग्रेस ने यह कभी समझने का प्रयास ही नहीं किया।

सीएम योगी ने कहा कि इमरजेंसी को देश की जनता आज भी नहीं भूली है। यह भी देश के संविधान का गला घोंटने जैसा ही था। इसके साथ ही कांग्रेस ने यूपीए सरकार के समय जो पाप किया, वह भी देश की जनता को याद है। तब समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी यूपीए सरकार में कांग्रेस की सहयोगी थीं। सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस ने जस्टिस रंगनाथ मिश्रा कमेटी और सच्चर कमेटी का गठन करके देश भर में संविधान विरोधी कार्य करते हुए अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के हक पर डकैती डालने की कोशिश की थी। तब कांग्रेस ने धर्म के आधार पर आरक्षण देने का कुत्सित प्रयास किया था। तत्कालीन कांग्रेस सरकार की मंशा 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण में से 6 प्रतिशत तुष्टीकरण के नाम पर काट कर देने की थी। इसी प्रकार सच्चर कमेटी के माध्यम से अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के आरक्षण में सेंधमारी कर मुस्लिम समाज की कुछ जातियों को शामिल करने की कोशिश की गई थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि तब भारतीय जनता पार्टी के भारी विरोध के कारण तत्कालीन कांग्रेस सरकार की मंशा पूरी नहीं हो पाई। अन्यथा उसी यूपीए सरकार में कांग्रेस धर्म के आधार पर पूरे देश मे आरक्षण देकर ओबीसी और एससी–एसटी के आरक्षण में सेंधमारी कर चुकी होती। सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस ने कर्नाटक में ओबीसी आरक्षण में सेंधमारी करते हुए धर्म के आधार पर आरक्षण देने की शुरुआत कर भी दी है। लेकर निर्वाचन आयोग ने कर्नाटक सरकार से रिपोर्ट भी तलब की है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कहा कि भाजपा बाबा साहब डॉ अंबेडकर और सभी संविधान निर्माताओं का पूरा सम्मान करती है। भाजपा संविध ान निर्माताओं की मंशा के अनुरूप भारत के संविधान को सर्वोच्च मानते हुए अपने संवैधानिक दायित्वों का ईमानदारीपूर्वक निर्वहन करने की पक्षधर है। भारतीय जनता पार्टी की एकमात्र ऐसी पार्टी है जिसने बाबा साहब अंबेडकर के मूल्यों और आदर्शों का पूरा सम्मान किया है। पंचतीर्थों का निर्माण किया है। वर्ष 2025 को राष्ट्रीय जनजाति गौरव वर्ष मनाने की बात को अपने संकल्प पत्र में शामिल किया है।

एक सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस का नेतृत्व पूरी तरह फेल हो चुका है। कांग्रेस के लोग ही कांग्रेस के नेतृत्व पर विश्वास नहीं कर पा रहे हैं। यही कारण है कि कही कांग्रेस प्रत्याशी फील्ड छोड़कर भाग रहे हैं, कहीं प्रदेश अध्यक्ष इस्तीफा दे रहे हैं तो कहीं घोषित प्रत्याशी अपनी प्रत्याशिता वापस लेकर भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर रहे हैं। इसके चलते अपनी खीझ मिटाने के लिए कांग्रेस नेतृत्व और उनके बचे खुचे नेता ऊलजलूल और मनगढ़ंत आरोप लगा रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि जनता कांग्रेस, सपा और इंडी गठबंधन के नेताओं की वास्तविकता जानती है और उनके मंसूबों को पूरा नहीं होने देगी।

पोलिंग बूथों की व्यवस्था ठीक न होने पर नाराज हुए सीडीओ

संवाददाता–संतकबीरनगर। सीडीओ संत कुमार ने खलीलाबाद और नाथनगर ब्लाक के पोलिंग बूथों का औचक निरीक्षण किया। बीएसए अमित कुमार सिंह के साथ सीडीओ ने कुल 10 बूथ चेक किए। इसमें खामियों पर जिम्मेदारों को कड़ी चेतावनी दी। जल्द से जल्द व्यवस्था सुदृढ करने के निर्देश दिए। कई जगह पर सफाई कर्मियों की लापरवाही सामने आई। इस बाबत सीडीओ ने डीपीआरओ को संबंधित के विरुद्ध कार्रवाई का निर्देश दिया। विद्यालय कायाकल्प में प्रधान द्वारा सहयोग न किए जाने पर सीडीओ ने कड़ी चेतावनी दी। कई विद्यालयों में रैंप मानक के अनुसार नहीं मिला उसे एक सप्ताह के भीतर ठीक कराने का निर्देश दिया। सीडीओ संत कुमार ने खलीलाबाद ब्लाक के प्राथमिक विद्यालय खलीलाबाद प्रथम का निरीक्षण किया। यहां पर तीन पांच पोलिंग बूथ हैं। यहां सारी व्यवस्था ठीक मिली, रैंप मानक के अनुसार नहीं था उसे ठीक कराने का उन्होंने निर्देश दिया। इसके बाद प्राथमिक

विद्यालय सियरा सांथा पहुंचे। यहां पर भी रैंप मानक के अनुरूप नहीं मिला, उसे ठीक कराने का निर्देश दिया। प्राथमिक विद्यालय नैनाझाला में दो बूथ हैं। यहां पर पेयजल, दिव्यांग शौचालय और साफ–सफाई की व्यवस्था ठीक नहीं मिली। विद्यालय

अदालती नोटिस

सम्मन बरगद इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
कं0 वाद सं0 T 202417140302186
वाद सं0 /2023
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी सदर बस्ती जिला–बस्ती
शेषनाथ आदि
बनाम
हीरालाल आदि
1–हीरालाल 2–दूधनाथ 3–गोरखनाथ 4–महेन्द्र पुत्रगण विश्वनाथ 5–श्रीमती सोनादेवी पत्नी विश्वनाथ
–प्रतिवादी प्रथम वर्ग
6– काशीराम 7– सुरेन्द्र 8–गोविन्द 9–विनोद 10–परमात्मा पुत्रगण भागीरथी 11– राजेश 12–राकेश 13–दुर्गेश पुत्रगण परशुराम 14. श्रीमती इन्द्रावती देवी पत्नी परशुराम
–प्रतिवादी द्वितीय वर्ग
साकिनान धौलखोर, तप्पा बडगोपार, परगना महुली पश्चिम तहसील वो जिला बस्ती
16– ग्राम सभा धौरुखोर द्वारा प्रधान तप्पा बाडगोपार परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती
तारीख पेशी 22–05–2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 22 माह 05 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान उप जिलाधिकारी (न्यायिक) सदर बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0
रामबहादुर सिंह
बनाम
वीरेन्द्र बहादुर सिंह आदि
1. वीरेन्द्र बहादुर सिंह पुत्र कवल नयन 2. परमात्मा सिंह पुत्र कवल नयन 3. विन्देश्वरी सिंह पुत्र भागी 4. जय सिंह पुत्र भागी सिंह 5. विनोद सिंह पुत्र भागी सिंह 6. राम प्रसाद सिंह पुत्र भागी सिंह साकिन भरवलिया तप्पा कड़र परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती
तारीख पेशी 16–05–2024

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस आशय में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 16 माह 05 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
वाद सं0 1158/2021
अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
दुर्गेश कुमार गुप्ता
बनाम
अतुल कुमार पाण्डेय आदि
1.अतुल कुमार पाण्डेय 2. शैलेश कुमार पाण्डेय पुत्रगण स्व0 रामदीन निवासीगण ग्राम परसपुर पोस्ट मैसहा तप्पा बनगवा परगना अमोढ़ा तहसील हरैया जिला–बस्ती 3. श्रीमती भुग्गा पत्नी वासदेव पाण्डेय निवासी ग्राम परसपुर तप्पा बनगवा परगना अमोढ़ा तहसील हरैया जिला–बस्ती
तारीख पेशी 02–07–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 02 माह 07 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

विपक्षी व्यक्ति के नाम नोटिस (धारा–63 अनुसूची–5 प्रपत्र सं0–1)
न्यायालय– श्रीमान अपर प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय बस्ती
जिला–बस्ती
इजरा वाद सं0 203/11A/2022
थाना–मुण्डेरवा
जिला–बस्ती
कु0 आशिया बानो उर्फ नूरमा बानो आदि
बनाम
खुर्शीद अहमद
तारीख पेशी 02–06–2024
प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 125(3) द0प्र0सं0

विपक्षी–खुर्शीद अहमद उम्र लगभग 48 वर्ष पुत्र नजीर अहमद मौजा करमा खॉ थाना दुधारा जिला संतकबीर नगर

विपक्षी/निर्णीत ऋणी के नाम

चूंकि आपकी उपस्थिति 125 सी.आर.पी.सी. के अपराध का उत्तर देने के लिए आवश्यक है अतएव आपको एतत द्वारा आदेश दिया जाता है कि स्वयं/अधिवक्ता द्वारा उपयुक्त न्यायालय के समक्ष सन् 2024 ई0 के 06 मास के 02 दिवस को उपस्थित हो। ऐसा करने में त्रुटि न हो।

सन् 20 ई0 मास के दिवस को हस्ताक्षरित हो।

हस्ताक्षर
अपर प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय बस्ती

गृह मंत्री के फेक वीडियो को लेकर पूर्व मंत्री लालजी वर्मा पर मुकदमा दर्ज, बोले- ये डराने की कोशिश

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। आरक्षण को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के फेक वीडियो मामले में सपा के लोकसभा प्रत्याशी लालजी वर्मा पर दिल्ली पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। दिल्ली पुलिस की एक टीम ने सोमवार आधी रात करीब उनके घर पहुंचकर नोटिस थमाया और पूछताछ भी की। अंबेडकरनगर लोकसभा सीट से इंडिया गठबंधन प्रत्याशी के तौर पर नामांकन करने के बाद लालजी वर्मा ने स्वयं यह जानकारी दी। कहा कि नामांकन से रोकने की साजिश रची गई। डराने की कोशिश हुई लेकिन सूरत जैसे मामले हर जगह दोहराए नहीं जा सकते। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर पोस्ट को लेकर दिल्ली पुलिस की तेजी देखिए। उन्होंने 28 अप्रैल को केस दर्ज किया और अगले ही दिन रात साढ़े 11 बजे मेरे अंबेडकरनगर स्थित घर पहुंच गए। पूर्व मंत्री ने कहा कि यह सिर्फ डराने की कोशिश थी। वे सब सत्ता का दुरुपयोग कर मुकदमे चाहे जितना करा लें लेकिन जनता ने अब यहां मन बना लिया है। सपा के लोग और जिले की जनता ऐसे फर्जी मुकदमों से डरने वाली नहीं है। उन्होंने कहा कि नोटिस का विधिवत जवाब कानून के तहत दिया जाएगा। असली जवाब यहां की जनता मतदान के जरिए देगी।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुकम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश
(आर्डर 9 कायदा 9) (2)
अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला बस्ती
मुतफरिका नं0 221/2023
परमात्मा आदि
बनाम
सुबरन आदि
1. रम्भू पुत्र स्व0 सुबरन 2. राजकिशोर 3. विरजू पुत्रगण मन्धू निवासीगण रमवापुर राजा तप्पा दुबौलिया परगना अमोढ़ा तहसील हरैया जिला–बस्ती 4. राज्य सरकार उ0प्र0 जरिये जिलाधिकारी बस्ती 5. ग्राम पंचायत रमवापुर राजाद्वारा द्वारा ग्राम प्रधान ग्राम पंचायत रमवापुर राजा तप्पा दुबौलिया परगना अमोढ़ा तहसील हरैया जिला–बस्ती
तारीख पेशी 08–05–2024

हरगाह मुद दई मजकुरूसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 08 माह 05 सन 2024 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुदी की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला बस्ती
मूलवाद सं0 624/2023
धर्मध्वज सिंह आदि
बनाम
श्रीमती दुर्गेश
श्रीमती दुर्गेश उम्र करीब 40 वर्ष पत्नी इन्द्रदेव साकिन परिवारपुर तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हरैया जिला–बस्ती
तारीख पेशी 15–07–2024

चूंकि उपरीनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्शित करने के लिये 2024 के माह 07 के 15 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षार और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 20 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

चुनावी व्यस्तता के बीच गोसेवा में रमे सीएम योगी, फिर झलका बाल प्रेम

संवाददाता–गोरखपुर। लोकसभा चुनाव का बिगुल बजने के साथ ही पार्टी (भाजपा) के लिए प्रचार करने के मामले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शीर्ष पंक्ति में बने हुए हैं। जबरदस्त व्यस्तता के बावजूद गोसेवा और बच्चों के लिए उनके दुलार में तनिक भी कमी नहीं आई है। चुनाव प्रचार के दौरान जब भी उनका गोरखपुर आना हुआ, गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान गोसेवा और बालप्रेम का नजारा हमेशा दिखा।

सीएम योगी सोमवार शाम गोरखनाथ मंदिर पहुंचे थे। यहां रात्रि प्रवास के बाद वह मंगलवार पूर्वाह्न वह पार्टी के चुनाव प्रचार के लिए पश्चिम बंगाल रवाना हुए। चुनाव प्रचार में जाने से पूर्व सुबह उन्होंने गोरखनाथ मंदिर में गुरु गोरखनाथ का दर्शन–पूजन किया और अपने गुरु ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि स्थल पर मत्था टेककर उनका आशीर्वाद लिया।

इसके बाद सीएम योगी मंदिर की गोशाला में पहुंचे और वहां कुछ समय व्यतीत किया। गोशाला में उन्होंने चारों तरफ भ्रमण करते हुए गोवंश के माथे पर हाथ फेरा, उन्हें खूब दुलारा और अपने हाथों से उन्हें रोटी और गुड़ खिलाया। मुख्यमंत्री ने गोशाला के कार्यकर्ताओं से सभी गोवंश के स्वास्थ्य व पोषण की जानकारी ली और गर्मी के मौसम में विशेष देखभाल के लिए जरूरी निर्देश दिए। गोसेवा के बाद मंदिर परिसर का भ्रमण करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की नजर अपने परिजन के साथ एक मासूम बच्चे पर पड़ गई। सीएम उसके पास पहुंचे और श्रेयांश नाम के इस बच्चे को खूब दुलारकर आशीर्वाद दिया। कुछ देर बच्चे के साथ खेलने के साथ ही उन्होंने उसे चॉकलेट दिया।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
वाद सं0 218/2019
अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती
सुमित्रा देवी आदि
बनाम
रामदेव आदि
1. रामदेव पुत्र कुन्नन 2. धनई पुत्र रतन 3. राजाराम 4. पूर्णवासी 5. बुझारत पुत्रगण लहुरी निवासीगण नगर खास टोला माली टोला तप्पा हवेली परगना नगर पूरब तहसील व जिला–बस्ती
–प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग
6. श्याम सुन्दर पुत्र तुलसी 7. रामचन्दर पुत्र भिखारी 8. शिवपूजन 9. कन्हैया 10. किशुन पुत्रगण बोदर 11. रामकिशुन 12. महेश पुत्रगण रामबेलास 13. बेचन 14. विनोद पुत्रगण रामकमल 15. रामतेज पुत्र छीरई निवासीगण नगर खास टोला माली टोला तप्पा हवेली परगना नगर पूरब तहसील व जिला–बस्ती
–प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग
तारीख पेशी 03–05–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 03 माह 05 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अपर जनपद एवं सत्र न्यायाधीश ने किया जेल का निरीक्षण

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। अपर जनपद एवं सत्र न्यायाधीश एफटीसी प्रथम व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के प्रभारी सचिव मनोज कुमार तिवारी ने मंगलवार को जिला कारागार सिद्धार्थनगर का निरीक्षण किया। उन्होंने जिला कारागार के चिकित्सालय व भोजनालय का जायजा लिया और बंदियों के स्वास्थ्य के बारे में पूछताछ की। साथ ही जेल के बैरकों का निरीक्षण किया और बंदियों को प्राप्त सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने बंदियों को जेल मैनुअल व जेल में स्थापित लीगल एंड क्लीनिक के संबंध में जानकारी दी। इस अवसर पर अध क्षिक अभिषेक चौधरी, जेलर राजेश कुमार पाण्डेय, डिप्टी जेलर प्रदीप कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
वाद सं0 450/2023
अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
सिद्दीक अली
बनाम
मजहर अली आदि
1. मजहर अली 2. नसीर पुत्रगण हफीजुल्लाह ग्राम बंजरिया तप्पा कोठिला परगना बस्ती पूरब तहसील भानपुर जिला–बस्ती
तारीख पेशी 24–07–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 24 माह 07 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
वाद सं0 531/2023
अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
रिंकी
बनाम
राम कुमार आदि
1. राम कुमार पुत्र शब्द 2. सन्तराम पुत्र रामकुमार साकिन दुभरानिर्वाहन तप्पा सिकन्दरपुर परगना अमोढ़ा तहसील हरैया जिला–बस्ती 3. हनुमान पुत्र रामकुमार साकिन दुभरानिर्वाहन तप्पा सिकन्दरपुर परगना अमोढ़ा तहसील हरैया जिला–बस्ती
तारीख पेशी 15–07–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 15 माह 07 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

केंद्रीय टीम ने जिला अस्पताल की सुविधाओं का लिया जायजा

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिला अस्पताल व एमएसीएच विंग का दो सदस्यीय केंद्रीय टीम ने निरीक्षण किया। इस दौरान अस्पताल में उपलब्ध संसाधनों के बारे में जानकारी ली। टीम ने अस्पताल के हर विंग में पहुंचकर गहनता से अध ययन किया। जानकारी ली कि अस्पताल में जो संसाधन उपलब्ध है उनका ठीक से प्रयोग हो रहा है या नहीं। साथ ही नई तकनीकी के बारे में जानकारी देते हुए सुझाव भी लिए।

दिल्ली से आए एनएचएसआरपी की डा. नीलम सिंदीकी व डा. अबूबकर सबसे पहले सीएमएस डा. भवनाथ पांडेय से मिले। उसके बाद अस्पताल सभी विंग की जानकारी ली कि मरीजों को कौन–कौन सी सुविधाएं दी जा रही है। उसकी जानकारी ली। टीम सबसे पहले एमसीएच विंग गई। वहां पर लेबर रूम, वार्ड, टीकाकरण कक्ष, एसएनसीयू, पीआईसीयू, जनरल, मेडिसिन वार्ड, कोल्ड रूम समेतअन्य जगहों पर पहुंची। महिला वार्ड में तैनात कर्मियों के बारे में जानकारी ली। इसके बाद टीम ने अस्पताल के बाहर की व्यवस्था को देखा। जहां पर बायोवेस्ट कक्ष में गंदगी को देखकर भड़क गई। उन्होंने कहा कि यदि इसी तरह से गंदगी रहेगी तो कैसे काम चलेगा। उन्होंने सभी लोगों से मरीजों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने के लिए सुझाव मांगें। इस दौरान डा. फैजान, शिवेंद्र त्रिपाठी समेत अनेक लोग मौजूद रहे।

दैनिक भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्मुखी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com

Change Name And Religion

1 Arun Kumar Gautam s/o Mangroo Rao H.N. 3165 Mo- Anand Nagar Katra District- Basti Uattar Pradesh Pin cod 272001 Do Hereby solemnly affirm and declare that I have embraced Buddhism religion and renounced Hinduism religion w.e.f. 02-07-2023

I have changed my name and shall here after we known as Arun vipaschit.

It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

Arun Kumar Gautam